# जनता के गोठ

Website- https://www.jantakegoth.com

● वर्ष -01 ● अंक- 329 ● रायपुर, बुधवार 25 नवम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ- 12 ● मूल्य- 2 रुपया ● संपादक- शुभम वर्मा ● PRGI Reg No : CTBIL/25/A1787


## संक्षिप्त समाचार

### जंगली हाथी का तांडव: खेत में भाग रहे युवक को दौड़ाकर कुचला

**सरगुजा।** जिले में जंगली हाथियों की मौजूदगी के बीच एक बार फिर हमले की घटना सामने आई है। बतौली क्षेत्र के ग्राम टिरंग में एक जंगली हाथी ने खेत में भाग रहे युवक को कुचल दिया। हाथी के हमले में युवक घायल हो गया, हालांकि गनीमत रही कि उसकी जान बच गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। बता दें कि घटना के दौरान मौके पर मौजूद लोगों की नजर जंगली हाथी पर पड़ी तो वहां अफरा-तफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इसी दौरान खेत के बीच से भाग रहे एक युवक को हाथी ने अपनी चपेट में ले लिया। वायरल वीडियो में हाथी युवक को कुचलता हुआ नजर आ रहा है। आसपास मौजूद लोग भी हाथी से बचने के लिए भागते दिखाई दे रहे हैं। हाथी के हमले में घायल युवक को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है।

### गुस्साए हाथी का रौद्र रूप: खदेड़ने पहुंचे ग्रामीणों पर किया हमला, ट्रैक्टर को पैरों तले कुचला

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा में ग्रामीणों को ट्रैक्टर से हाथी भगाना उस वक्त महंगा पड़ गया, जब गुस्साए हाथी ने उनपर हमला कर दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने किसी तरह अपनी जान बचाई, लेकिन हाथी ने ट्रैक्टर को निशाना बनाते हुए उसे बुरी तरह कुचलकर क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, यह पूरा मामला कुदमुरा वन परिक्षेत्र के जिल्गा जंगल का है। बताया जा रहा है कि जिल्गा जंगल में 11 हाथियों का झुंड मौजूद है। इसी दौरान कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर लेकर हाथियों को जंगल से भगाने पहुंच गए। ग्रामीणों की इस कोशिश से हाथी भड़क गया और उसने ट्रैक्टर पर हमला कर दिया। हाथी ने अपनी सूंड और पैरों से ट्रैक्टर को कुचलकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

### सोनिया गांधी को कानूनी नोटिस: वीर सावरकर के परिवार ने सोनिया ने खिलाफ क्यों कानूनी कदम उठाया?

वीर सावरकर को लेकर कांग्रेस और बीजेपी के बीच राजनीतिक विवाद एक बार फिर चर्चा में है। सोनिया गांधी ने आत्मकथा 'बिलॉन्गिंग: अ जर्नी ऑफ लव' में वीर सावरकर को लेकर विवादित दावा किया है। इसपर स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर के परिवार ने कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के खिलाफ कानूनी कदम उठाया है। वीर सावरकर के परिवार ने सोनिया गांधी को कानूनी नोटिस भेजा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि किताब में सावरकर की भूमिका और विचारधारा को गलत तरीके से पेश किया गया है। नोटिस में 15 दिनों के भीतर बिना शर्त माफी मांगने और गलत तथ्यों को सुधारने की मांग की गई है। ऐसा नहीं होने पर सक्षम अदालत या प्राधिकरण में कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

तीन वर्षों में नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रूपए जारी

# भिलाई में ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम निर्माण की घोषणा...

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भिलाई में 154 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपए का किया लोकार्पण और भूमिपूजन
- कुरुद-जुनवानी कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरुद बस्ती एवं सुंदर विहार तक सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रूपए की घोषणा

रायपुर/ संवाददाता



मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज इस्पात नगरी खुर्सीपार भिलाईवासियों को कुल 154 करोड़ 66 लाख 86 हजार रूपए की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि पिछले तीन वर्षों में नगर निगम भिलाई के विकास के लिए 886 करोड़ रुपये जारी किए जा चुके है। मुख्यमंत्री श्री साय ने बीएसपी टाउनशिप में रहने वाले नागरिकों के रिटेंशन आवास के किराए में हुई 24 गुना वृद्धि को लेकर सांसद, विधायक एवं अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा के बाद अधिकारियों से बात की गई। इसके बाद मासिक किराए में बढ़ोतरी को कम कर 6 रुपये किए जाने का निर्णय लिया गया, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है। मुख्यमंत्री श्री साय द्वारा छत्तीसगढ़ सरकार के बीते तीन वर्षों के विकास कार्यों और योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 1600 आवास बनाए जा रहे हैं, वहीं शहरी विकास के तहत तीन वर्षों में 77 हजार से अधिक मकानों का निर्माण कराया गया है। महतारी वंदन योजना के तहत 68 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये दिए जा रहे हैं। योजना के अंतर्गत 33 किस्तों में 21 हजार 350 करोड़ रुपये से अधिक की राशि अंतरित की जा चुकी है। रामलला दर्शन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से भी लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने भिलाई से अपने पुराने जुड़ाव का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने जब इस्पात राज्यमंत्री का दायित्व सौपा था, तो क्षेत्र की समस्याओं और विभिन्न घटनाओं के समय लोगों के साथ संवाद एवं सहयोग बना रहा। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए दो प्रमुख सड़क निर्माण कार्यों की घोषणा की। कुरुद-जुनवानी कोहका मार्ग से साकेत नगर, कुरुद बस्ती एवं सुंदर विहार तक सड़क निर्माण के लिए 13 करोड़ रुपये तथा जुनवानी-कोहका-कुरुद मार्ग में कोसानाला से कुटेला मार्ग एवं कुटेलाभाठा सड़क निर्माण के लिए 14 करोड़ रुपये की घोषणा की गई। इसके अलावा भिलाई नगर में ऑडिटोरियम और इंडोर स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा की गई। उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में तेजी से हो रहे विकास कार्यों और नगरीय सुविधाओं के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री द्वारा 154 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है। प्रदेश में सरकार बनने के बाद पिछले तीन वर्षों में गांवों और शहरों का तेज गति से विकास हुआ है और छत्तीसगढ़ आज विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। छत्तीसगढ़ के सामने नक्सलवाद की सबसे बड़ी चुनौती थी, जिससे अब प्रदेश मुक्त हो चुका है ।

### रिसाली के विकास में पैसे की कमी नहीं होगी-उपमुख्यमंत्री साव

उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र के अनुरूप नगरीय क्षेत्रों में नागरिक सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज रिसाली को 101 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात मिली है। प्रदेश के नगरीय निकायों ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर अनेक पुरस्कार प्राप्त कर छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। उपमुख्यमंत्री श्री साव ने रिसालीवासियों को आश्वस्त किया कि नगर निगम क्षेत्र के विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। दुर्ग ग्रामीण विधायक श्री ललित चंद्राकर ने अपने स्वागत उद्बोधन में किसानों के हित में लिए गए निर्णयों तथा रिसाली क्षेत्र को विकास कार्यों की सौगात देने के लिए मुख्यमंत्री श्री साय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं और मांगों की ओर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया।

युवाओं से नशे की लत से दूर रहने की अपील की

# पीएम मोदी बोले- नशे से टूट जाते हैं परिवारों के सपने

नई दिल्ली/ एजेंसी



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के युवाओं से नशे की लत से दूर रहने की अपील की है। गुरुनानक जयंती पर दिल्ली के लोक निवास में आयोजित 'शब्द कीर्तन' में शामिल होने के बाद पीएम मोदी ने दिल्ली में युवाओं से नशे की लत से दूर रहने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश का हर युवा नशे से मुक्त हो। वे अपने सपनों को पूरा करें, अच्छे से पढ़ाई करें, आगे बढ़ें और अपने परिवार, देश का गौरव बढ़ाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब युवा नशे का शिकार होते हैं, तो उनके परिवारों के सपने टूट जाते हैं। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों, गुरुद्वारों और सामाजिक संगठनों को ऐसे युवाओं का मार्गदर्शन करने और उन्हें सही रास्ता चुनने का साहस देने के लिए एक साथ आना चाहिए। पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम में कहा-मैं इस पवित्र वातावरण में गुरु नानक देव जी को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूं। मैं सभी देशवासियों को प्रकाश पर्व की बधाइयां देता हूं। गुरु पर्व के इस पावन अवसर पर मुझे शब्द कीर्तन में शामिल होने का अवसर देने के लिए मैं तरनजीत सिंह संधू का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने आगे कहा- गुरुवाणी का एक-एक शब्द और कीर्तन की एक-एक धुन केवल संगीत नहीं है, बल्कि अपने आप में एक साधना है। यह ज्ञान के सागर में गोता लगाने जैसा है. इसलिए जब भी मुझे आयोजन के लिए बुलावा आता है और मौका मिलता है, मैं जरूर उपस्थित होता हूं। बता दें कि मोदी सरकार ने 2029 तक देश से नशीली दवाओं की समस्या को खत्म करने का संकल्प लिया है।

### नितिन नवीन के कथित डीपफेक वीडियो पर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई

**नई दिल्ली।** बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के कथित डीपफेक वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बीजेपी की शिकायत के बाद दिल्ली पुलिस की ड्रग्सस्ह यूनिट ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक, पुलिस ने इस मामले में फोर्जरी और ड्रग्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि नितिन नवीन का कथित रूप से फर्जी और छेड़छाड़ किया गया वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है।

जेल से रिहा हुए अमित बघेल

## 2028 में छत्तीसगढ़िया समाज इस सरकार को सत्ता से करेगा बाहर..



रायपुर। हेट स्पीच मामले में जेल में बंद जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित बघेल सोमवार को रिहा हो गए। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें रिहाई मिली। जेल से बाहर आते ही समर्थकों ने उनका भव्य स्वागत किया। जेल के बाहर बड़ी संख्या में समर्थकों और पार्टी पदाधिकारियों का जमावड़ा लगा रहा। इस दौरान आतिशबाजी की गई और ढोल-डीजे के साथ जश्न मनाया गया। जेल से निकलने के बाद अमित बघेल सीधे गुरुघासीदास बाबा चौक स्थित महतारी अंगना पहुंचे। यहां उन्होंने छत्तीसगढ़ महतारी की आरती की। इस दौरान छत्तीसगढ़िया समाज के लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद शहर में जगह-जगह उनका स्वागत किया गया। जेल से रिहा होने के बाद अमित बघेल ने ऐलान किया कि आने वाले दिनों में अडानी के खिलाफ प्रदर्शन किया जाएगा।

शेख हसीना ने बांग्लादेश वापसी की तारीख का ऐलान किया

# 16 दिसंबर को लौटेंगी शेख हसीना इसी दिन बांग्लादेश आजाद हुआ था

नई दिल्ली/ एजेंसी



बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने बांग्लादेश वापसी की तारीख का ऐलान कर दिया है। शेख हसीना 16 दिसंबर को भारत से बांग्लादेश लौटेंगी। 16 दिसंबर को मुक्ति संग्राम की जीत की वर्षगांठ का दिन है। इसी दिन 16 दिसंबर 1971 को पाकिस्तान से बांग्लादेश अलग हुआ था। उनकी वापसी के लिए सरकारी विमान भेजने की तैयारी की जा रही है। न्यूज ऐजेंसी के मुताबिक हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने मंगलवार को जानकारी दी कि शेख हसीना 16 दिसंबर को बांग्लादेश वापस लौटेंगी। हसीना सरकारी एयरलाइन बिमान बांग्लादेश की फ्लाइट से दिल्ली से ढाका लौटना चाहती हैं। उन्होंने इसके लिए तारिक रहमान सरकार से विमान भेजने की मांग की। यह पहली बार है जब हसीना ने अपनी वापसी के लिए कोई निश्चित तारीख तय की है। ऐसे में बांग्लादेश में राजनीतिक और कानूनी तनाव और बढ़ने की आशंका है। 16 दिसंबर 1971 को बांग्लादेश ने पाकिस्तान के खिलाफ मुक्ति संग्राम में जीत हासिल की थी। इसी दिन पाकिस्तानी सेना ने भारतीय सेना और मुक्ति वाहिनी के सामने आत्मसमर्पण किया था। मुक्ति वाहिनी बांग्लादेश की आजादी के लिए लड़ने वाले लोगों का संगठन था। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रवक्ता सैयद मोजम्मेल अली ने कहा कि संविधान के खिलाफ जाकर हसीना को देश से बाहर किया गया था।

### राजीव गांधी की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी, ताकि उनकी हत्या हो सके

**नई दिल्ली।** कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने अमां सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी के साथ बातचीत का एक वीडियो शेयर किया है। इस बातचीत में गांधी परिवार से जुड़ी कई पुरानी यादों, राजनीतिक उतार-चढ़ाव और सोनिया गांधी के निजी जीवन के संघर्षों का जिक्र किया गया है। साथ ही पिता राजीव गांधी की सुरक्षा हटाए जाने और 2004 के फैसले पर चर्चा करते हुए दिख रहे हैं। राहुल गांधी ने दावा किया है कि उनके पिता राजीव गांधी की सुरक्षा जानबूझकर हटाई गई थी। ऐसा इसलिए किया गया, ताकि उनकी हत्या हो सके।

पंजाब में 6 साल बाद बीजेपी-अकाली दल की वापसी

# बादल निभाएंगे 'बड़े भाई' की भूमिका सीट शेयरिंग पर सस्पेंस-अमित शाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

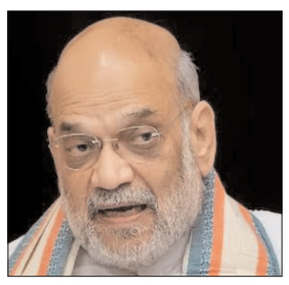

पंजाब की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा बदलाव हुआ है। करीब छह साल बाद भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दलफिर एक साथ आ गए हैं। दोनों दलों ने मंगलवार, 24 नवंबर 2026 को आगामी विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने का ऐलान किया। इस गठबंधन की सबसे बड़ी बात यह है कि बीजेपी ने अकाली दल को बड़े भाई की भूमिका देने पर सहमति जताई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कहा कि गठबंधन की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री अकाली दल का होगा। हालांकि, दोनों पार्टियों के बीच कितनी सीटों पर कौन चुनाव लड़ेगा, इसका फैसला अभी नहीं हुआ है। दिल्ली स्थित बीजेपी मुख्यालय में गुरु नानक देव जी की जयंती (गुरुपर्व) के अवसर पर आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल मौजूद रहे। अमित शाह ने अकाली दल की एनडीए में वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि यह गठबंधन पंजाब में शांति, सद्भाव और समृद्धि के साथ हिंदू-सिख एकता का प्रतीक बनेगा। शाह ने कहा कि अकाली दल एनडीए का सबसे पुराना सहयोगी रहा है। दोनों पार्टियों के बीच लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक संबंध रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अकाली दल की एनडीए में वापसी पर खुशी जताई है।

जजों-अफसरों को सेट करने लिए थे 15 करोड़

# देश छोड़कर भागने से पहले सौरभ चंद्राकर का वकील गिरफ्तार

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली के कॉर्पोरेट अधिवक्ता हिमांशु शेखर की गिरफ्तारी ने महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले में एक नया मोड़ ला दिया है। दरअसल सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने हिमांशु के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी कर मुंबई एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया। आरोप है कि महादेव सट्टा केस से जुड़े सभी मामलों में जजों और अफसरों को सेट करने के लिए सौरभ चंद्राकर से 15 करोड़ रुपए लिए थे। सौरभ के मुताबिक, अक्टूबर 2023 में दुबई के एक विला में हुई बैठक के दौरान हिमांशु ने उनके खिलाफ चल रहे आपराधिक मामलों को मैनेज करने और इंटरपोल के नोटिस निष्प्रभावी कराने का भरोसा दिया था। महादेव ऑनलाइन सट्टा मामले की जांच अब केवल इसके प्रमोटरों और कथित आर्थिक लेन-देन तक सीमित नहीं रह गई है। इस मामले में दिल्ली के कॉर्पोरेट अधिवक्ता हिमांशु शेखर की गिरफ्तारी ने जांच को एक नया मोड़ दिया है। प्रवर्तन निदेशालय का आरोप है कि हिमांशु ने महादेव सट्टा ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर से 15 करोड़ रुपये से अधिक की रकम ली थी। आरोप है कि उसने सट्टा मामले में राहत दिलाने और न्यायिक व प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े लोगों को प्रभावित कराने का भरोसा दिया था। रायपुर की विशेष अदालत ने उन्हें 28 नवंबर तक श्वष्ठ की हिरासत में भेजा है। हिमांशु शेखर का सफर सुप्रीम कोर्ट में लॉ क्लर्क-कम-रिसर्च असिस्टेंट के रूप में शुरू हुआ। यहां उन्होंने तत्कालीन सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश जस्टिस आर.वी. रवींद्रन के साथ काम किया। इसके बाद उन्होंने



वकालत के पेशे में कदम रखा। उपलब्ध पेशेवर प्रोफाइल के अनुसार, उनके पास 13 साल से अधिक का अनुभव है। हिमांशु ने वर्ष 2008 में नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, जोधपुर से बीबीए एलएलबी (ऑनर्स) की डिग्री हासिल की। वर्ष 2021 में गलगोटियास यूनिवर्सिटी से मास्टर ऑफ लॉ की पढ़ाई पूरी की। वह वर्ष 2008 से बार काउंसिल ऑफ दिल्ली में नामांकित हैं और 'लेक्स प्रैक्सिस' में सीनियर पार्टनर के साथ लिटिगेशन विभाग के प्रमुख रहे हैं। उनके अभ्यास के प्रमुख क्षेत्रों में आपराधिक कानून, व्हाइट कॉलर अपराध, संवैधानिक कानून, सेवा कानून, वैवाहिक विवाद, उपभोक्ता कानून, पर्यावरण और मानवाधिकार से जुड़े मामले शामिल हैं। चिकित्सा लापरवाही और मौलिक अधिकारों से जुड़े मामलों में भी उन्होंने काम किया है। ईडी के अनुसार, सौरभ चंद्राकर से पूछताछ के दौरान हिमांशु शेखर का नाम सामने आया। एजेंसी का दावा है कि कथित रकम के भुगतान के सिलसिले में दुबई यात्राओं और वित्तीय लेन-देन की भी जांच की जा रही है। 20 नवंबर को उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर दुबई जाते समय लुकआउट सर्कुलर के आधार पर रोका गया था। ट्रांजिट रिमांड को लेकर मुंबई की विशेष अदालत में श्वष्ठ को शुरुआती झटका लगा, लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने 23 नवंबर को उस आदेश को रद्द कर आगे की कार्रवाई का रास्ता साफ किया।

### दिल्ली में छापेमारी, हस्तलिखित पर्चियों में करोड़ों के हिसाब की जांच

ईडी ने 21 नवंबर को हिमांशु से जुड़े दिल्ली के चार ठिकानों पर तलाशी ली थी। इनमें पंचशील पार्क स्थित उसका आवास और लाजपत नगर स्थित उसकी कंपनी यस्या मीडिया प्राइवेट लिमिटेड का कार्यालय भी शामिल था। तलाशी के दौरान अधिकारियों को हाथ से लिखे कुछ नोट मिले, जिनमें करोड़ों रुपये के लेनदेन, मुंबई-दिल्ली और हवाला से जुड़े संभावित हिसाब दर्ज होने का संदेह जताया गया है। इन पर्चियों में मुंबई, दिल्ली, हवाला और रकम से जुड़ी कई प्रविष्टियां मिली हैं। कुछ जगह करोड़ों की रकम और किस्तों में भुगतान का उल्लेख है। ईडी इन प्रविष्टियों का मिलान सौरभ के बयानों और हवाला लेनदेन से कर रही है। हालांकि, पर्चियों में दर्ज व्यक्तियों और रकम का वास्तविक संबंध अभी जांच का विषय है।

# नगर निगम रिसाली को मिली 134 करोड़ की वृहद जल योजना की सौगात , सीएम साय ने की चार बड़ी घोषणाएं

**अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई। जनता के गोठ।**

**मरोदा - दुर्ग -** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को नगर निगम रिसाली क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 18 स्टेशन मरोदा में आयोजित कार्यक्रम में विकास कार्यों की सौगात देते हुए रिसाली नगर निगम के लिए 134 करोड़ रुपये की वृहद जल योजना सहित चार महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रिसाली क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने, स्ट्रीट लाइट लगाने और मुक्तिधामों के विकास के लिए राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और 13 दिसंबर को सरकार के तीन वर्ष पूरे होने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि रिसाली नगर निगम क्षेत्र के लिए आज लगभग 101 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी गई है।

इन कार्यों से जल आपूर्ति व्यवस्था सुदृढ़ होगी और शहर की प्रकाश व्यवस्था बेहतर होगी। शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय के लिए 28 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जिससे नए बालक छात्रावास एवं आवास का निर्माण किया जाएगा।

**रिसाली के लिए मुख्यमंत्री की चार बड़ी घोषणाएं**

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर की मांग पर मुख्यमंत्री ने रिसाली नगर निगम क्षेत्र के लिए चार घोषणाएं कीं।

**वृहद जल योजनाः रिसाली नगर निगम के लिए**

134 करोड़ रुपये की वृहद जल योजना पूर्ण करने की घोषणा।

स्ट्रीट लाइटः वार्ड क्रमांक 1 से 40 तक प्रकाश व्यवस्था के लिए 2 करोड़ रुपये।

नेवई मुक्तिधामः विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये।

जोरातराई मुक्तिधामः विकास कार्यों के लिए 50 लाख रुपये।

इन घोषणाओं से रिसाली क्षेत्र में पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और मुक्तिधामों की सुविधाओं के विस्तार का मार्ग प्रशस्त होगा।



**गरीबों को 18 लाख आवास देने का वादा पूरा कर रही सरकार**

मुख्यमंत्री साय ने पिछली कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने गरीबों के आवास छीन लिए थे। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद कैबिनेट की पहली बैठक में ही 18 लाख आवास देने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 12 लाख मकान बन चुके हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में भी आवास निर्माण जारी है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन करीब 1600 मकानों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत जनता से किए गए वादों को सरकार ने लगभग पुरा कर लिया है शौर प्रदेश के विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

**महतारी वंदन की 35 किस्तें , महिलाओं को आर्थिक संबल**

मुख्यमंत्री ने महतारी वंदन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रदेश की माता एवं बहनों के खातों में योजना की 35 किस्तें पहुंच चुकी हैं। इससे महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में मदद मिली है। और उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ धान का कटोरा कहलाता है और सरकार किसानों के हित में लगातार निर्णय ले रही है। 15 नवंबर से धान खरीदी प्रारंभ हो चुकी है। किसानों की सुविधा के लिए 360 नए खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। प्रदेश में करीब 3100 केंद्रों के माध्यम से धान खरीदी की जा रही है। किसानों को 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी निर्धारित है। जिन किसानों की उपज निर्धारित मात्रा से कम होगी, उन्हें अंतर की राशि सीधे उनके खातों में भुगतान की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने रामलला दर्शन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि योजना के तहत अब तक 55 हजार श्रद्धालु अयोध्या में भगवान रामलला के दर्शन कर चुके हैं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का लाभ भी प्रदेश के लोगों को मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि नगरीय क्षेत्रों के विकास के लिए नगरोत्थान विकास योजना के माध्यम से कार्य किए जा रहे हैं। उपमुख्यमंत्री अरुण साव के नेतृत्व में नगरीय विकास को गति मिल रही है। पीएम बस सेवा योजना के तहत बस सेवाएं शुरु की गई हैं। अमृत मिशन, स्वच्छ भारत मिशन और आवासीय योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिल रहा है। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव तथा दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भी सभा को संबोधित किया।

# रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में बिरेगपाल ने नैनमुर को हराकर जीता खिताब

## हाई स्कूल मैदान में रोमांचक मुकाबला, विजेता टीम को मिला 40 हजार रुपये का नकद पुरस्कार



**भुजबल बघेल**

बकावंड, जनता के गोठ। बकावंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला रोमांच और उत्साह के बीच संपन्न हुआ। खिताबी मुकाबले में नैनमुर और बिरेगपाल की टीमों के बीच जोरदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बिरेगपाल की टीम ने नैनमुर को पराजित कर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया।

फाइनल मुकाबले के दौरान मैदान में क्रिकेट प्रेमियों की भारी भीड़ मौजूद रही। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों के बेहतरीन प्रदर्शन पर दर्शकों ने तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं, आतिशबाजी के बीच विजेता टीम की जीत का जश्न मनाया गया। टूर्नामेंट में विजेता रही बिरेगपाल की टीम को आयोजक कमेटी की ओर से प्रथम पुरस्कार के रूप में 40 हजार रुपये नकद प्रदान किए गए। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन और प्रतिस्पर्धात्मक उत्साह का परिचय दिया। रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों, खिलाड़ियों, जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की सहभागिता रही। पूरे आयोजन के दौरान मैदान में उत्साहपूर्ण माहौल बना रहा और दर्शकों ने मुकाबलों का भरपूर आनंद लिया। अंत में आयोजक कमेटी ने टूर्नामेंट को सफल बनाने में सहयोग देने वाली सभी टीमों, दर्शकों, सहयोगियों एवं क्षेत्रवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

# उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने हटरी पारा में किया महर्षि कश्यप की प्रतिमा का अनावरण

## 9 लाख 75 हजार रुपए की लागत से निर्मित चौक का किया लोकार्पण, कसौधन गुप्ता समाज ने किया भव्य स्वागत

**कवर्धा** उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के जिला मुख्यालय कवर्धा के हटरी पारा में 9 लाख 75 हजार रुपए की लागत से निर्मित महर्षि कश्यप चौक एवं महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर महर्षि कश्यप का स्मरण किया। नवनिर्मित महर्षि कश्यप चौक को आकर्षक एवं भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर कसौधन गुप्ता समाज के प्रतिनिधियों एवं सदस्यों द्वारा उप मुख्यमंत्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि महापुरुषों की प्रतिमाओं की स्थापना का उद्देश्य केवल उनका स्मरण करना नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को उनके जीवन, संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा देना है। छत्रपति शिवाजी महाराज और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमाएं इसी उद्देश्य से स्थापित की गई हैं। इसके साथ ही कवर्धा शहर में और महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित की जाएगी। उन्होंने कहा कि युवाओं को महापुरुषों के जीवन चरित्र का अध्ययन कर उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। शर्मा ने कहा कि कवर्धा नगर के विकास और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। डीएफओ कार्यालय के सामने चौपाटी शुरू हो चुकी है। हनुमंत वाटिका को नगरवासियों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। इसी तरह पुराने काष्ठागार परिसर में शिव वाटिका का निर्माण होगा। बूढ़ा महादेव मंदिर के विस्तार एवं भव्य निर्माण की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने कहा कि विंध्यवासिनी मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रवेश व्यवस्था



विकसित की जा रही है तथा मंदिर परिसर में विशाल हॉल का निर्माण कराया जा रहा है। वहीं भोरमदेव मंदिर परिसर में भव्य कॉरिडोर निर्माण के लिए केंद्र सरकार से 146 करोड़ रुपए स्वीकृत हुए हैं, जहां निर्माण कार्य जारी है। आने वाले समय में भोरमदेव का धार्मिक एवं पर्यटन महत्व और अधिक बढ़ेगा। श्री शर्मा ने कहा कि कवर्धा के विकास को गति देने के लिए बिलासपुर और रायपुर मार्ग पर लगभग 56 करोड़ रुपए की लागत से फोरलेन सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। इसके साथ ही विभिन्न प्रमुख मार्गों का उन्नयन किया जा रहा है। नए बस स्टैंड तक आवागमन सुगम बनाने के लिए ठाकुरदेव चौक से घोटिया रोड तक लगभग 10 करोड़ रुपए की लागत से सड़क बनाई गई है। नया बस स्टैंड भी प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में व्यापारिक केंद्र विकसित करने की दिशा में भी प्रयास किया जाएगा, ताकि नगर का विस्तार हो और स्थानीय व्यापारियों को बेहतर अवसर मिल सकें। नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्रप्रकाश चंद्रवंशी ने देव दीपावली एवं प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर महर्षि कश्यप जी की प्रतिमा का अनावरण समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है। महर्षि कश्यप जी जैसे महान ऋषियों एवं महापुरुषों ने समाज और राष्ट्र को सही दिशा देने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। उनके विचारों, आदर्शों और बताए गए मार्गों पर चलना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जिस प्रकार पाश्चात्य संस्कृति का प्रभाव बढ़ रहा है, वह हम सभी के लिए चिंतन का विषय है। ऐसे समय में महापुरुषों के जीवन, चरित्र, संस्कारों और विचारों का अध्ययन करना बेहद आवश्यक है, ताकि युवा पीढ़ी उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अच्छे संस्कारों को आत्मसात कर सके और समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। चंद्रवंशी ने कहा कि आज देश और समाज को ऐसे राष्ट्रभक्त, समाजसेवी एवं संस्कारवान व्यक्तित्वों की आवश्यकता है, जो आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा दिखा सकें। बच्चों में अच्छे संस्कार विकसित करने और उन्हें चरित्रवान बनाने के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। यदि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए समय नहीं निकालेंगे और उनके संस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण की दिशा में प्रयास नहीं करेंगे, तो यह भविष्य के लिए चिंता का विषय होगा। कसौधन गुप्ता समाज के प्रांतीय अध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता ने समाज की ओर से महर्षि कश्यप जयंती के पावन अवसर पर शासकीय अवकाश घोषित किए जाने का निवेदन उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के समक्ष रखा। इस पर उप मुख्यमंत्री शर्मा ने समाज के प्रतिनिधियों को आश्वस्त किया कि उनके इस आग्रह पर सकारात्मक पहल की जाएगी।

# एसो के किसानी



सोचें नइ रेहेंव एसो,फेर अल्हन झपाही।
चार महीना के कमई हा,दुवे दिन म बोहाही।

बड़ आस रहिस एसो किसानी तोर।
जुँवा कस हरा गेंव,हरियर सोना मोर।

कोन करम के भुगतना तै,हमर जिनगी मा थोप देस।
सकेले बटोरे के दिन मा,काबर मुँहू कान लोम देस।
कोन्हों भाई के धान माँथ नवाए,ककरो लुवइ के बेरा आगे।
तिवरा सरसों कालिच उतेरेंव,सब्बो धारे धार बोहागे।

देवारी बर दिया बनायेंव मन मा चुक ले आस जगायेंव।
माटी के दिया माटी होगे सबो आस चूल्हा मा धरायेंव।
तपनी बरोबर तप डारिस,अपन सुसी बुता डारिस।
संसो फिक्र म बोर के,जीते जीयत मार डारिस।

मेहनत में सब पानी फिरगे,कइसे चलही जिनगानी।
लोग लइका बटोर के,सुररत बइठे दुनों परानी।

योगिता साहू
कुरूद धमतरी

# बूथ स्तर पर कांग्रेस का वोट बचाओ‌ङ्कदेश बचाओ अभियान, लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा का लिया संकल्प

## सोतपूर आंवराभाटा में बूथ क्रमांक 55 की बैठक आयोजित, संगठन की मजबूती और मतदाता सूची की पारदर्शिता पर हुई चर्चा

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

जगदलपुर करपावंड,। वोट बचाओ‌ङ्कदेश बचाओ अभियान के तहत बस्तर जिले के ब्लॉक कांग्रेस कमेटी करपावंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सौतपुर आंवराभाटा के बूथ क्रमांक 55 में 23 नवंबर को बूथ स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक बूथ अध्यक्ष कन्हैईराम कश्यप के नेतृत्व में संपन्न हुई, जिसमें कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संगठन की मजबूती, आपसी एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया।



बैठक में वोट बचाओ‌ङ्कदेश बचाओ अभियान के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए मतदाता सूची में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, प्रत्येक नागरिक के मताधिकार की सुरक्षा तथा लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के विषय पर कार्यकर्ताओं को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदाता अधिकारों की रक्षा और जनजागरूकता आवश्यक है। अभियान के माध्यम से लोगों तक मतदाता अधिकारों से जुड़ी जानकारी पहुंचाने तथा लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

बैठक में उपस्थित कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अभियान को गांव-गांव और जन-जन तक पहुंचाने तथा मतदाता अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से कार्य करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मंडल प्रभारी गणेश भारती, ब्लॉक प्रवक्ता एवं मंगनार मंडल प्रभारी सामोराम कश्यप, बूथ अध्यक्ष देवेंद्र बघेल, डमरूधर, दुलब कश्यप सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# नपा कटघोरा में 26 से 'नगर सरकार' जनता के द्वार, हर वार्ड में लगेगा दरबार

**कोरबा।** नगर पालिका परिषद कटघोरा क्षेत्र में 26 नवंबर से 'नगर सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम शुरू होगा। इसके तहत नगर पालिका क्षेत्र के सभी वार्डों में क्रमवार शिविर लगाए जाएंगे। नगर पालिका अध्यक्ष राज जायसवाल ने 23 नवंबर को इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र जारी कर कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के तहत वार्ड भ्रमण के साथ शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित शिविर लगाए जाएंगे। वार्ड स्तर पर लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सुनने के साथ योजनाओं से संबंधित जानकारी एवं आवेदन लेने की व्यवस्था भी की जाएगी। 26 नवंबर, गुरुवार वार्ड 07, सांस्कृतिक मंच महेशपुर, 30 नवंबर, सोमवार वार्ड 08, दुर्गा पंडाल मंच, 03 दिसंबर, गुरुवार वार्ड 09, लक्ष्मी के घर एवं लक्ष्मी चाल के पास, 07 दिसंबर, सोमवार वार्ड 10, पुरानी बस्ती चांदनी चैक, 10 दिसंबर, गुरुवार वार्ड 11, अमन हसन अली घर के पास, 14 दिसंबर, सोमवार वार्ड 12, धर्मशाला स्कूल पारा जुराली, 17 दिसंबर, गुरुवार वार्ड 13, सांस्कृतिक मंच पटेलपारा, 21 दिसंबर, सोमवार वार्ड 15, विश्वकर्मा मंच एवं सामुदायिक भवन धरमकांटा के पास, 24 दिसंबर, गुरुवार वार्ड 14, नवधा चैक मंच, 28 दिसंबर, सोमवार वार्ड 01, छिर्रा मंच, 31 दिसंबर, गुरुवार वार्ड 02, सांस्कृतिक मंच पीपल चैक, 04 जनवरी 2027, सोमवार वार्ड 03, सांस्कृतिक भवन, 07 जनवरी 2027, गुरुवार वार्ड 04, बाजार मोहल्ला पौनी पसारी एवं कस्तूरबा आवास के पास, 11 जनवरी 2027, सोमवार वार्ड 05, सांस्कृतिक मंच नवागांव, 14 जनवरी 2027, गुरुवार वार्ड 06, चंपा गली।

# राज्य स्तरीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह में बस्तर के स्काउट्स-गाइड्स का सम्मान

## सुधा परमार को एडवांस कमिश्नर कोर्स का पार्चमेंट एवं गोल्डन रोप प्रदान, जिले के प्रतिनिधियों ने किया गौरवपूर्ण प्रतिनिधित्व

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

बस्तर। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ की ओर से 19 नवंबर को रायपुर में आयोजित एक दिवसीय राज्य स्तरीय सेमिनार एवं सम्मान समारोह में बस्तर जिले के स्काउट्स एवं गाइड्स प्रतिनिधियों ने गौरवपूर्ण सहभागिता निभाई। समारोह में संगठन के राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त डॉ. के.के. खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त इंदरजीत सिंह खालसा, राज्य बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा सहित प्रदेश के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।



कार्यक्रम में राष्ट्रीय मुख्य आयुक्त ने राज्य में स्काउटिंग गतिविधियों के संचालन, संगठनात्मक विस्तार तथा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के साथ युवाओं में अनुशासन, सेवा भावना, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूकता विकसित करने पर जोर दिया। समारोह में बस्तर जिले की गाइड कमिश्नर सुधा परमार को एडवांस कमिश्नर कोर्स का पार्चमेंट एवं गोल्डन रोप प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं स्काउटिंग गतिविधियों में योगदान देने वाले जिले के स्काउटर एवं गाइडर दशरू राम यादव, मीरा हिरवानी, मनोज महापात्र, जमुना ठाकुर, लिलेश देवांगन, गिरवर सिंह रावटे, भूमिका दास निषाद, कंचन विश्वकर्मा, दीपा ठाकुर, भरतराम यादव एवं प्रदीप पाढ़ी भी सम्मान समारोह में शामिल हुए।

पदाधिकारियों ने कहा कि स्काउटिंग एवं गाइडिंग बच्चों और युवाओं के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो उनमें आत्मनिर्भरता, सहयोग, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करता है।

जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला आयुक्त स्काउट अभयराम नोन्हारे तथा बस्तर जिला स्काउट-गाइड संगठन ने इस उपलब्धि पर सुधा परमार को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

# सम्मानित हुईं राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित डॉ. मनीषा त्रिपाठी, शिक्षा, नवाचार और साहित्य सेवा के लिए वित्त मंत्री ओपी चौधरी समेत अतिथियों ने की सराहना

**रायगढ़।** कक्षा में नवाचार से बच्चों का भविष्य संवारने और कलम से साहित्य को समृद्ध करने वाली डॉ. मनीषा त्रिपाठी को 23 नवंबर 2026 को रायगढ़ के सिंदूर पार्क में आयोजित हरिभूमि एवं आईएनएच जिला संवाद 2026 में सम्मानित किया गया। राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित डॉ. त्रिपाठी शासकीय रविशंकर प्राथमिक शाला, चांदमारी, रायगढ़ में प्रधान पाठक हैं। उन्हें शिक्षा, नवाचार, उत्कृष्ट शैक्षणिक गतिविधियों, साहित्यिक सेवा और लेखन कार्य के लिए यह सम्मान दिया गया।*

**मंच पर वित्त मंत्री से लेकर सांसद तक, इन अतिथियों के हाथों हुआ अभिनंदन**

सम्मान समारोह में वित्त, पर्यावरण एवं आवास मंत्री ओपी चौधरी, राज्यसभा सांसद देवेंद्र प्रताप सिंह, खरसिया विधायक उमेश पटेल, भाजपा नेता महेश साहू, कमल गर्ग और हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने उन्हें सम्मानित किया। मंचासीन अतिथियों ने उनके




उत्कृष्ट कार्यों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

**कक्षा से कविता तक, एक शिक्षिका के दो मोर्चों पर बेमिसाल काम**

डॉ. मनीषा त्रिपाठी की पहचान सिर्फ एक शिक्षिका तक सीमित नहीं है। एक ओर वे नवाचार और बेहतर शैक्षणिक गतिविधियों के जरिए प्राथमिक शिक्षा को नई दिशा दे रही हैं, तो दूसरी ओर साहित्य और लेखन में उनका योगदान उन्हें बहुआयामी व्यक्तित्व की मिसाल बनाता है। आयोजकों ने उन्हें रायगढ़ का गौरव बताया।

**राज्यपाल पुरस्कार से ÷शिक्षा दूत÷ तक, सम्मानों की लंबी फेहरिस्त**

शिक्षा और साहित्य के क्षेत्र में डॉ. त्रिपाठी की उपलब्धियों की सूची काफी लंबी है:

राज्यपाल पुरस्कार

मुख्यमंत्री गौरव अलंकरण ÷शिक्षा दूत÷ सम्मान

नारी शक्ति सम्मान और एक्सीलेंट टीचर अवार्ड

नारी विभूति सम्मान और महिला शिखर सम्मान

साहित्य मनीषी सम्मान, साहित्य अलंकरण और काव्य शिखर सम्मान

इसके अलावा जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और कई सामाजिक व साहित्यिक संगठन भी उन्हें सम्मानित कर चुके हैं।

**जिला संवाद में जुटा रायगढ़ का प्रबुद्ध वर्ग, जनप्रतिनिधि से लेकर चिकित्सक तक रहे मौजूद**

हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी द्वारा लिए गए साक्षात्कार सह संवाद कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और प्रबुद्धजनों की बड़ी मौजूदगी रही। इनमें धरमजयगढ़ विधायक लालजीत सिंह राठिया, रायगढ़ महापौर जीवर्धन चौहान, भाजपा जिलाध्यक्ष अरुणधर दीवान, पूर्व विधायक विजय अग्रवाल, लैलूंगा विधायक एवं पूर्व मंत्री सत्यानंद राठिया, पूर्व विधायक हृदयराम राठिया, कांग्रेस जिलाध्यक्ष शाखा यादव और ग्रामीण कांग्रेस जिलाध्यक्ष नगेंद्र नेगी शामिल थे। प्रशासन की ओर से एसएसपी शशि मोहन सिंह और जिला पंचायत सीईओ अभिजीत पठारे उपस्थित रहे। साथ ही आर. के. त्रिवेदी (डीन, ओ.पी. जिंदल ग्रुप ऑफ स्कूल्स), प्रकाश मिश्रा (एमडी, श्री बालाजी मेट्रो सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल), सुनील रामदास (संचालक, द्रौपदी फाउंडेशन), उद्योगपति संजय अग्रवाल और चिकित्सक डॉ. रूपेंद्र पटेल भी मौजूद रहे।

**शिक्षा और साहित्य जगत के लिए गौरव का क्षण**

अतिथियों ने डॉ. मनीषा त्रिपाठी के अनुकरणीय योगदान को सराहा और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रायगढ़ के शिक्षा और साहित्य जगत के लिए यह सम्मान प्रेरणा और गर्व का अवसर माना जा रहा है।

### मरीजों से बातचीत कर जाना हालचाल, चिकित्सकों को बेहतर उपचार एवं स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

# उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर लोहारा में सोनोग्राफी एवं नेत्र जांच शिविर का किया अवलोकन

**कवर्धा।** उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर लोहारा पहुंचकर वहां आयोजित सोनोग्राफी एवं नेत्र जांच शिविर का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने शिविर में स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे मरीजों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना तथा उन्हें मिल रही स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मौके पर उपस्थित चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों का बेहतर उपचार सुनिश्चित करने तथा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ जरूरतमंदों तक सहजता से पहुंचाने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने अस्पताल परिसर



में संचालित अटल आरोग्य लैब, पोषण पुनर्वास केंद्र एवं आयोजित रक्तदान शिविर का भी अवलोकन किया। उन्होंने इन केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने रक्तदान शिविर में स्वेच्छा से रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन देने का पुनीत कार्य है। रक्त की आवश्यकता किसी भी समय किसी भी मरीज को पड़ सकती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक एवं प्रेरित होना चाहिए। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने सभी रक्तदाताओं को इस मानवीय एवं जीवनरक्षक कार्य में सहभागी बनने के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

# 110 गरीब परिवारों के राशन कार्ड से कटे नाम: राशन मिलना बंद, कलेक्टर से लगाई गुहार

**कोरबा।** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में गरीब परिवारों के सामने राशन का संकट खड़ा हो गया है। किसी परिवार में बुजुर्ग हैं तो किसी के घर छोटे बच्चे, वहीं कई परिवार ऐसे हैं जिनकी रोजी-रोटी मजदूरी पर निर्भर है। ग्राम पंचायत सुवरलोट में एक-दो नहीं, बल्कि 110 हितग्राहियों के राशन कार्ड बंद होने और नाम काटे जाने का मामला सामने आया है। राशन मिलना बंद होने से प्रभावित परिवार परेशान हैं। अपनी समस्या लेकर ग्रामीणों ने अब कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई है।

मामला कोरबा जिले के करतला विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत सुवरलोट का है। ग्रामीणों ने 23 नवंबर 2026 को कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपकर बंद राशन कार्डों को दोबारा चालू कराने की मांग की है। ग्रामीणों के मुताबिक, शासन की सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उन्हें राशन कार्ड जारी किए गए थे। इन कार्डों के माध्यम से वे उचित मूल्य की दुकान से चावल और अन्य खाद्यान्न प्राप्त करते थे। लेकिन अज्ञात कारणों से गांव के 110 हितग्राहियों के राशन कार्ड बंद हो गए। कई परिवारों के नाम राशन कार्ड से विलोपित कर दिए गए हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि प्रभावित परिवार आर्थिक रूप से बेहद कमजोर हैं। इनमें कई परिवार ऐसे हैं, जो रोजाना मजदूरी करके अपने घर का खर्च चलाते हैं। परिवार में बुजुर्गों और छोटे बच्चों की जिम्मेदारी भी है। ऐसे में राशन कार्ड से नाम कटने के बाद उनके सामने भोजन की व्यवस्था करने की समस्या खड़ी हो गई है। गरीब परिवारों के लिए सरकारी राशन जीवनयापन का महत्वपूर्ण सहारा है। ऐसे में बिना राशन के ये परिवार आर्थिक और खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं।

समस्या से परेशान ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम आवेदन सौंपकर पूरे मामले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि जिन 110 हितग्राहियों के नाम राशन कार्ड से हटाए गए हैं, उनके प्रकरणों का जल्द निराकरण किया जाए। ग्रामीणों ने पात्र हितग्राहियों के राशन कार्ड पुनः चालू कर नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि गरीब परिवारों को अपने और बच्चों के भोजन के लिए परेशान न होना पड़े। अब प्रभावित परिवारों को प्रशासन की कार्रवाई और राशन कार्ड दोबारा शुरू होने का इंतजार है।

# कवर्धा में हाथियों का आतंक, बीती रात फिर चार मकानों में तोड़फोड़ ,फसलों को रौंदा, अब तक आधा दर्जन से अधिक मकानों पर कर चुका हमला

**कवर्धा।** जिले के वनांचल क्षेत्र से लगे गांवों में हाथियों के उत्पात आम हो चुका है, आए दिन किसी ना किसी गांवों से हमला या मकान तोड़ कर आवाज़ खाने का मामला सामने आ रहा है। ताज़ा मामला सोमवार और मंगलवार दरमियानी रात का है, चार हाथियों का झूंड तरेगांव वन परिक्षेत्र के चेंद्रादार, सरेलिदादर कोयलारी गांव में जमकर उत्पात मचाया है, इस घटना में सलेरिदार के प्रहलाद यादव और फूल कुमार यादव के मकान के दिवार ढ़हा दिया और अंदर रखे अनाज, चावल, मक्का, कोदों को चट कर दिया वहीं चेंद्रादादर में केहर सिंह और जोग सिंह के मकान तोड़फोड़ मचाकर भारी नुक़सान किया है, इसके अलावा कोयलारी गांव में किसानों के धान, भूट्टा के फसलों को रौंदा दिया है।

वहीं यही दल रविवार रात्रि ग्राम पंचायत बाकी के आश्रित गांव दातिरेवार , भूरसी पकरी, और केसमर्दा में पांच मकानों में तोड़फोड़ कर चुका है।

अब यहां हाथियों का दल मंगलवार सुबह मध्यप्रदेश के फैन अभ्यारण्य की ओर रवाना हो



गए हैं।

लेकिन जिले के लोगों के लिए अब भी मुसीबत टली नहीं है अब भी एक आक्रामक हाथी कबीरधाम जिले में विचरण कर रहा है वन विभाग के अनुसार या हाथी कवर्धा वन परिक्षेत्र के छिरपानी, दियाबार गांव के आसपास जंगलों में डेरा जमाया हुआ है, जोकि अब तक तीन लोगों की जान ले चुका है वन विभाग इस हाथी को लेकर ज्यादा सतर्क है, क्योंकि यहां अकेले होने के कारण ज्यादा आक्रामक है, खेत खलियानों काम करने गए लोगों को देखते ही उन पर हमला करता है, इस हाथी के हमले से अब तक तीन लोगों की मौत हो चुकी है वही कई लोग जान बचाकर भागने में सफल हुए लेकिन उन्हें गंभीर चोट आई है, अब यह हाथी बोड़ला ब्लॉक मुख्यालय से कुछ ही किलोमीटर की दूरी पर मौजूद है जिससे वन विभाग की चिंता बढ़ा दी है अगर यह हाथी शहरी क्षेत्र की तरह और बढ़ता है तो बड़ी मुसीबत हो सकती है

# मितानिन कार्यक्रम के 25 वर्ष पूरे, सोनारपाल में मितानिन दीदियों का हुआ सम्मान

### श्यामकुमारी ध्रुव ने गमछा-श्रीफल भेंटकर किया सम्मानित, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान को बताया अतुलनीय

**भुजबल बघेल** बकावंड जनता के गोठ। छत्तीसगढ़ मितानिन कार्यक्रम के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर ग्राम पंचायत सोनारपाल में मितानिन सम्मान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सचिव श्यामकुमारी ध्रुव ने क्षेत्र की मितानिन दीदियों को गमछा एवं श्रीफल भेंटकर उनके सेवा, समर्पण और जनहित में किए जा रहे कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर श्यामकुमारी ध्रुव ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की मजबूत आधारशिला हैं। गांव-गांव और घर-घर पहुंचकर स्वास्थ्य के प्रति



जागरूकता फैलाने, गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं की देखभाल, टीकाकरण, पोषण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। विशेषकर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में जरूरतमंद परिवारों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने में मितानिन दीदियां अहम कड़ी साबित हुई हैं। उन्होंने कहा कि मितानिन केवल स्वास्थ्य कार्यकर्ता नहीं, बल्कि ग्रामीण परिवारों की स्वास्थ्य साथी हैं। कार्यक्रम के 25 वर्ष पूरे होना उनके लंबे संघर्ष, मेहनत और निःस्वार्थ जनसेवा का प्रतीक है। उनके योगदान को सम्मान देना और उनकी कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में बस्तर ग्रामीण जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जितेंद्र जैन, शहर जिला अध्यक्ष लता निषाद, पंच तुकाराम पंडा, सुनील देवांगन, पूर्व पंच वीरेंद्र पांडे, शंकर बघेल, मनोज नायक, सुषमा सुता, नीला, बी. ललिता राव, असबती कश्यप सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

# मितानिन दीदियों का सम्मान कर रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने दिया महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

**बलरामपुर (जनता के गोठ)** : मितानिन दिवस के अवसर पर रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने गौधाम परिसर में सम्मान समारोह एवं पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी मितानिन दीदियों के योगदान को सलाम किया। इस दौरान मितानिन दीदियों को शाल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। सभी मितानिन दीदियों ने गौधाम परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने और प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लिया।

फाउंडेशन की संस्थापक शोभा यादव ने कहा कि मितानिन दीदियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य तथा महिलाओं को आवश्यक




मार्गदर्शन उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कठिन परिस्थितियों में भी उनका सेवाभाव और समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायी है।

उन्होंने कहा कि मितानिन दीदियों का सम्मान केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उनके निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और मेहनत के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का प्रयास है। महिलाओं के सम्मान, स्वावलंबन और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना संस्था की प्राथमिकताओं में शामिल है।

रक्षा गौधाम फाउंडेशन गौसेवा के साथ सामाजिक सरोकार, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण एवं जनकल्याण के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने समाज सेवा, महिला सम्मान और प्रकृति संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सम्मान, सेवा और हरियाली की पहल के साथ रक्षा गौधाम फाउंडेशन ने मितानिन दिवस को सामाजिक जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का संदेश देने वाला अवसर बनाया।

# निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सियासी घमासान शुरू

**कोरबा।** नगर पालिक निगम के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सियासी घमासान शुरू हो गया है। वासन गली में लाखों-करोड़ों की लागत से कराए जा रहे सड़क डामरीकरण की ऊपरी परत महज 8 से 10 दिनों में उखड़ने लगी है। कहीं गिट्टियां सड़क पर बिखर रही हैं तो कहीं निर्माणाधीन नाले का हिस्सा उसी नाले में समा गया है। इन तस्वीरों को लेकर नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू और जिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं पार्षद मुकेश राठौर ने नगर निगम प्रशासन को घेरा है।

कांग्रेस नेताओं ने निर्माण कार्यों में कथित अनियमितता और गुणवत्ता की अनदेखी का आरोप लगाते हुए सवाल किया है कि आखिर जनता की गाढ़ी कमाई से हो रहे निर्माण कुछ ही दिनों में जवाब क्यों देने लगे हैं? क्या निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच केवल कागजों तक सीमित है?

नेता प्रतिपक्ष कृपाराम साहू ने वासन गली में सड़क डामरीकरण की स्थिति पर नाराजगी जताते हुए निगम अधिकारियों को फोन कर निर्माण स्थल पर बुलाया। उन्होंने मौके पर सड़क की स्थिति का निरीक्षण कराया और गुणवत्ताविहीन निर्माण की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की।

साहू का कहना है कि निगम क्षेत्र में लाखों-करोड़ों रुपये खर्च कर सड़कों का जीर्णोद्धार कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण की स्थिति ऐसी है कि 8 से 10 दिनों में ही सड़क की ऊपरी परत उखड़ने लगी है। कई स्थानों पर गिट्टियां बाहर निकलकर सड़क पर बिखर गई हैं। उन्होंने इसे निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल बताते हुए जिम्मेदारी तय करने की मांग की। मौके पर मौजूद निगम की कार्यपालन अभियंता रुचि साहू ने यथाशीघ्र जांच कर आवश्यक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सड़क के बाद अमरैय्या पारा में निर्माणाधीन नाला भी सवालों के घेरे में आ गया है। यहां नाले का एक हिस्सा टूटकर उसी नाले में समा गया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश राठौर ने इस स्थिति को लेकर निगम प्रशासन से जवाब मांगा है।

राठौर ने कहा कि जब एक सप्ताह के भीतर सड़क की ऊपरी परत अपनी पकड़ छोड़ने लगे और गिट्टियां बाहर आने लगें तो जनता का विरोध स्वाभाविक है। निगम के अलग-अलग वार्डों में सड़क जीर्णोद्धार और नाली निर्माण के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में निर्माण की ऐसी हालत क्यों हो रही है? नालियां टूटकर उसी नाले में बह क्यों रही हैं?

कांग्रेस नेताओं ने इस पूरे मामले में निगम प्रशासन को

# कंटेनर के गुप्त चेंबर में छिपा रखा था 407 किलो गांजा, दो अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

**कवर्धा।** कबीरधाम पुलिस ने अंतर्राज्यीय गांजा तस्करी के बड़े नेटवर्क का खुलासा करते हुए 407 किलो 330 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने तस्करी में शामिल उत्तरप्रदेश के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 2 करोड़ 3 लाख 66 हजार 500 रुपये बताई गई है। वहीं कंटेनर ट्रक और मोबाइल फोन सहित कुल 2 करोड़ 29 लाख 76 हजार 500 रुपये का मशरूका जब्त किया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 23 नवंबर को थाना चिल्फी पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक कंटेनर ट्रक में भारी मात्रा में गांजा लेकर दो व्यक्ति रायपुर, कवर्धा और चिल्फी के रास्ते मध्यप्रदेश की ओर जा रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने एनएच-30 पर थाना चिल्फी के सामने नाकाबंदी कर संदिग्ध कंटेनर को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक की ड्राइवर सीट के ऊपर विशेष रूप से बनाए गए गोपनीय चेंबर का पता चला। इसमें खाकी टेप से



लिपटे 192 पैकेटों में गांजा छिपाकर रखा गया था। तौल करने पर कुल वजन 407 किलो 330 ग्राम निकला।

मामले में पुलिस ने राजू यादव (27) और विकास यादव (26), दोनों निवासी जिला अलीगढ़, उत्तरप्रदेश को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे 17 नवंबर को अलीगढ़ से निकले थे और 21 नवंबर को ओडिशा के सुनकी घाटी में कंटेनर के गुप्त चेंबर में गांजा भरवाया गया था। इसके बाद वे इसे उत्तरप्रदेश ले जा रहे थे।

पुलिस ने 26 लाख रुपये कीमत का कंटेनर और मोबाइल फोन भी जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ थाना चिल्फी में अपराध क्रमांक 30/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(B)(ii)(C) और 29 में मामला दर्ज किया गया है। दोनों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पुलिस अब गांजा सप्लाई करने वाले अन्य आरोपियों और तस्करी नेटवर्क की पड़ताल में जुटी है।

# संविधान दिवस पर समानता और गरिमापूर्ण जीवन के संवैधानिक अधिकार दे सरकार - केंद्र की देय तिथि से महंगाई राहत देने की मांग

### राज्य सेवा के पेंशनरों के साथ आर्थिक भेदभाव समाप्त करने की मांग, एक प्रदेश, दो नीतियां क्यो? वीरेन्द्र नामदेव

**रायपुर।** संविधान दिवस के अवसर पर भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ ने राज्य सरकार से अपने संवैधानिक दायित्वों का पालन करते हुए प्रदेश के राज्य सेवा के पेंशनरों के साथ हो रहे आर्थिक भेदभाव को समाप्त करने की पुरजोर मांग की है। महासंघ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि जब प्रदेश में निवासरत अखिल भारतीय सेवा (IAS/IPS) के पेंशनरों तथा राज्य की बिजली कंपनियों के पेंशनरों को केंद्र सरकार के समान दर एवं केंद्र की देय तिथि से महंगाई राहत (डीए) का लाभ दिया जा रहा है, तो राज्य सेवा के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को इस लाभ से वंचित रखना समानता के संवैधानिक सिद्धांत के विपरीत है। प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने जारी बयान में कहा कि महंगाई की मार समाज के प्रत्येक वर्ग पर समान रूप से पड़ती है। एक ही प्रदेश में, एक ही बाजार से राशन, दवाइयां एवं दैनिक उपयोग की वस्तुएं खरीदने वाले पेंशनरों के बीच महंगाई राहत के मामले में दोहरी नीति अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य सरकार द्वारा केंद्र की निर्धारित देय तिथि जनवरी एवं जुलाई से महंगाई राहत स्वीकृत नहीं करने और विलंबित तिथियों से लागू करने के कारण लाखों बुजुर्ग पेंशनरों को प्रतिवर्ष करोड़ों रुपये का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल से चली आ रही इस परंपरा के चलते विगत 8 से 9 वर्षों के दौरान केंद्र की देय तिथि से महंगाई राहत नहीं दिए जाने के कारण राज्य के पेंशनरों का लगभग 90 माह का डीआर एरियर लंबित हो गया है। महंगाई राहत पेंशनरों की जीवनयापन संबंधी आवश्यकताओं से जुड़ी है। इसे किसी प्रकार की सरकारी कृपा अथवा अनुग्रह नहीं, बल्कि उनका जायज अधिकार माना



जाना चाहिए। नामदेव ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 14 समानता का अधिकार प्रदान करता है तथा अनुच्छेद 21 गरिमापूर्ण जीवन की गारंटी देता है। ऐसे में समान परिस्थितियों में रहने वाले पेंशनरों के साथ अलग-अलग व्यवहार किए जाने पर सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

इस मांग का समर्थन करते हुए महासंघ के कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे.पी. मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष द्रौपदी यादव, बी.के. वर्मा, आलोक त्रिवेदी एवं लोचन पांडेय, महामंत्री द्वय अनिल गोल्हानी एवं प्रवीण कुमार त्रिवेदी, प्रदेश संगठन मंत्री टी.पी. सिंह, प्रदेश संयोजक महिला प्रकोष्ठ डॉ. श्रीमती शेषा सक्सेना, दैनिक वेतन भोगी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक संभागीय अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार सिन्हा तथा जिला रायपुर के अध्यक्ष आर.जी. बोहरे एवं सचिव ओ.डी. शर्मा सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी राज्य सरकार से पेंशनरों के हित में शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।

महासंघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री से आग्रह किया है कि 26 नवंबर को मनाए जाने वाले संविधान दिवस की मूल भावना का सम्मान करते हुए राज्य सेवा के पेंशनरों को भी केंद्र सरकार के समान दर एवं केंद्र की देय तिथि से महंगाई राहत स्वीकृत की जाए। साथ ही विगत वर्षों के लगभग 90 माह के लंबित डीआर एरियर के भुगतान के लिए तत्काल आदेश जारी किया जाए, ताकि जीवन के इस पड़ाव में आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे बुजुर्ग पेंशनरों को न्याय और सम्मान मिल सके।

## संपादकीय

# सच्चाई से मुंह मोड़ती आत्मकथा

सोनिया गांधी की आत्मकथा 'बीलोंगिंग:ए जर्नी आफ लव' इन दिनों चर्चा में है। कहने को तो इसमें उनके जीवन से जुड़े संस्मरणों का समावेश है, लेकिन समग्रता में देखा जाए तो पुस्तक के रूप में उनका यह प्रयास नेहरू-गांधी परिवार की गलतियों पर पर्दा डालने और गलतियों का दोष दूसरों पर मढ़ने की कवायद ही अधिक है। इसमें बड़ी चतुराई के साथ जहां तमाम प्रमुख उपलब्धियों का श्रेय अपने परिवार को दिया गया, वहीं नरेन्द्र मोदी सहित परिवार से इतर प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों को अनदेखा किया गया। पुस्तक का सार यही है कि भारत ने जो भी प्रगति की, वह नेहरू-गांधी परिवार की मेहरबानी से ही संभव हुई। उन्होंने हरसंभव तरीके से अन्य प्रधानमंत्रियों के योगदान को उनके अपेक्षित श्रेय से वंचित ही रखा। मोदी सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में भारत ने बुनियादी ढांचे में जबरदस्त प्रगति की है। सरकार ने सामाजिक कल्याण की तमाम योजनाओं से भी देश को समृद्ध बनाया है। भारत को अब एक आर्थिक महाशक्ति और सैन्य शक्ति के रूप में देखा जाता है। इसके बावजूद सोनिया गांधी की 526 पन्नों की किताब में मोदी सरकार की उपलब्धियों के लिए प्रशंसा का एक भी शब्द नहीं। दूसरी ओर, इस सरकार की उपलब्धियों का अवमूल्यन करने और उनका श्रेय नेहरू, इंदिरा गांधी या राजीव गांधी को देने के पुरजोर प्रयास किए गए हैं। अन्य प्रधानमंत्रियों की उपलब्धियों का श्रेय भी राजीव गांधी के खाते में डालने की सोनिया की इच्छा नरसिंह राव के मामले में ही स्पष्ट रूप से नजर आती है। वे एक बेहद मुश्किल दौर में प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को आर्थिक उदारीकरण शुरू करने और अर्थव्यवस्था को विदेशी निवेश के लिए खोलने के उनके साहसिक और असाधारण निर्णय का श्रेय नहीं देतीं। इसके बजाय, वे इस उपलब्धि का सेहरा राजीव गांधी और बाद में मनमोहन के सिर बांधती हैं। उन्होंने इस वास्तविकता को भी अनदेखा कर दिया कि तमाम विरोधों को दरकिनार करते हुए राव ने न केवल मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया, बल्कि उन्हें सभी कड़े फैसले लेने की पूरी आजादी भी दी। पूरे पांच साल तक राव मनमोहन सिंह की ढाल बने रहे। राव के ऐसे संरक्षण के बिना मनमोहन सिंह के लिए आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाना संभव नहीं था, लेकिन इस संदर्भ में उन्होंने लिखा, 'राजीव ने उदारीकरण की दिशा में पहला कदम उठाया था' और राव ने 'मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाकर तीव्र विकास के अगले दौर का मार्ग प्रशस्त किया।'

# सीटीआई भाजपा की या व्यापारियों की?

- राकेश अचल




सोना सस्ता हुआ तो मोदीजी का धन्यवाद, राहुल की रैली आई तो व्यापार का नुकसान.आज बात सोने की नहीं, संगठन की है। बात व्यापार की नहीं, व्यापार के नाम पर होने वाली राजनीति की है।आपने सीटीआई का नाम सुना है? पूरा नाम है चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री। यानी व्यापार और उद्योग का संगठन। कुछ समय पहले यही संगठन राहुल गांधी की रामलीला मैदान वाली रैली के खिलाफ मैदान में उतर आया था। संगठन के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने राहुल गांधी को चिट्ठी लिखकर रैली टालने की मांग की थी। तर्क था कि दिवाली के आसपास रैली से व्यापारियों को दस हजार करोड़ रुपये तक का नुकसान हो सकता है।

व्यापारियों का नुकसान महत्वपूर्ण है। बिल्कुल होना चाहिए। लेकिन सवाल है कि क्या राजनीतिक रैली से होने वाला संभावित नुकसान ही व्यापारियों के हितों का सबसे बड़ा सवाल है? अब आइए आज की खबर पर।22 नवंबर को यही सीटीआई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद पत्र लिख रहा है। वजह है सोने की कीमतों में गिरावट।सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल का कहना है कि जब प्रधानमंत्री ने सोना खरीदने से बचने की सलाह दी थी, तब सोने का भाव करीब एक करोड़ नब्बे लाख रुपये प्रति किलो था। अब संगठन के बताए आंकड़ों के मुताबिक यह घटकर एक करोड़ पच्चीस लाख रुपये प्रति किलो रह गया है।यानी प्रति किलो पैंसठ लाख रुपये की गिरावट!

सीटीआई का दावा है कि अगर व्यापारियों ने उस समय ऊंचे भाव पर सोना खरीदकर स्टॉक जमा किया होता तो उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता। लाखों ज्वैलर्स कर्ज में डूब सकते थे।

अब संगठन प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता के कसीदे पढ़ रहा है।

यहां एक बात साफ कर दूं। सोने की कीमत गिरना और प्रधानमंत्री की सलाह के कारण कीमत गिरना, दोनों अलग-अलग बातें हैं। बाजार के भाव अनेक आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय कारणों से बदलते हैं। लेकिन सीटीआई ने इस गिरावट का श्रेय प्रधानमंत्री की सलाह को दिया है।

असली सवाल है।राहुल गांधी की रैली आई तो सीटीआई को व्यापार का नुकसान दिखाई दिया। प्रधानमंत्री की तारीफ करने का मौका आया तो उसे प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता दिखाई देने लगी।भाई साहब, ये सीटीआई व्यापारियों का संगठन है या सरकार का प्रशस्ति मंडल? हम यह नहीं कह रहे कि सीटीआई को प्रधानमंत्री की तारीफ करने का अधिकार नहीं है। बिल्कुल है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यही संगठन सरकार की उन नीतियों पर भी व्यापारियों की आवाज उठाता है जिनसे छोटे दुकानदार, खुदरा व्यापारी और छोटे उद्योग परेशान होते हैं?क्या जीएसटी की जटिलताओं पर इसकी आवाज उतनी ही बुलंद होती है?

क्या महंगाई, घटती खरीद क्षमता, ऑनलाइन व्यापार की प्रतिस्पर्धा और छोटे दुकानदारों की परेशानियों पर भी ऐसी ही सक्रियता दिखाई देती है?क्या विपक्ष की रैली से व्यापार को होने वाला संभावित नुकसान बड़ा सवाल है, लेकिन सरकार की नीतियों से व्यापार पर पड़ने वाला असर छोटा सवाल? सीटीआई को भाजपा की जेबी संस्था कहना एक राजनीतिक आरोप होगा, जिसके लिए ठोस प्रमाण चाहिए। लेकिन उसके सार्वजनिक बयानों की तुलना करना हर नागरिक और पत्रकार का अधिकार है।

बात सिर्फ सीटीआई की नहीं है।लोकतंत्र में ऐसे अनेक संगठन होते हैं जिनका काम अपने सदस्यों के हितों की रक्षा करना होता है। लेकिन जब संगठन सत्ता की आलोचना से बचने लगें और विपक्ष की आवाज को रोकने की मांग करने लगें, तब सवाल उठना स्वाभाविक है।

व्यापारियों को राजनीतिक दलों की रैलियों से नुकसान नहीं होना चाहिए। लेकिन लोकतंत्र को भी व्यापार के नाम पर बंधक नहीं बनाया जा सकता।रैली से सड़क जाम होती है तो प्रशासन रास्ता निकाले। व्यापारियों को सुरक्षा और सुविधा मिले। लेकिन विरोध की आवाज को रोकने का अधिकार किसी व्यापारिक संगठन को कैसे मिल सकता है?वैसे सीटीआई कसीदे पढने वाला अकेला संगठन नहीं है.अनेक हैं.एक केट भी है.सबके नाम गिनाने से कोई लाभ नहीं.

अंत में प्रधानमंत्री जी से एक सवाल।आपने सोना न खरीदने की सलाह दी थी। सीटीआई ने धन्यवाद दे दिया। लेकिन क्या देश के छोटे व्यापारियों को महंगाई, टैक्स, बाजार की मंदी और घटती आमदनी से बचाने के लिए भी कोई ऐसी दूरदर्शी सलाह और नीति मिलेगी?क्योंकि देश में सोना ही नहीं, लोकतंत्र भी बहुत कीमती है।

सीटीआई, आप व्यापारियों की आवाज हैं तो व्यापारियों के लिए बोलिए। लेकिन लोकतंत्र में किसकी रैली होगी और किसकी नहीं, इसका फैसला व्यापारिक संगठनों की चिट्ठियों से नहीं हो सकता।

## आज का राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए सफलता और उपलब्धियों के नए अवसर लेकर आ सकता है। लंबे समय से अटका हुआ कोई महत्वपूर्ण काम आखिरकार पूरा होने की संभावना है।

वृष राशि: नौकरीपेशा लोगों के सामने आकर्षक प्रस्ताव आ सकता है। अपनी वर्तमान नौकरी, भविष्य की संभावनाओं और नई जिम्मेदारियों का आकलन करने के बाद ही कोई कदम उठाना बेहतर रहेगा।

मिथुन राशि : आज आर्थिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होगी। पैसों के लेन-देन में छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन सकती हैं। किसी पुराने मित्र से मिलने की संभावना है।

कर्क राशि: आज आपके जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव दस्तक दे सकता है। लंबे समय से जिस परिस्थिति में सुधार की उम्मीद थी, उसमें अब धीरे-धीरे अनुकूलता आने के संकेत हैं।

सिंह राशि: आज का दिन व्यस्तता और जिम्मेदारियों से भरा रह सकता है। आपको कई कामों को एक साथ संभालना पड़ सकता है, लेकिन आपकी मेहनत और कार्यक्षमता अच्छे परिणाम दिला सकती है।

कन्या राशि: आज सफलता पाने का सबसे अच्छा तरीका यही रहेगा कि आप अपनी जिम्मेदारियों को समय पर और पूरी ईमानदारी से निभाएं। कार्यक्षेत्र में आपकी कार्यशैली अलग पहचान दिला सकती हैं।

तुला राशि: आज आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण रहेगा। आमदनी के अच्छे अवसर मिल सकते हैं, लेकिन खर्चों पर नियंत्रण नहीं रखा तो आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

वृश्चिक राशि: आज का दिन खुशियों, मुलाकातों और सकारात्मक बदलावों से भरा रह सकता है। दूर रहने वाला कोई प्रिय व्यक्ति अचानक आपसे मिलने आ सकता है, जिससे मन को सुकून मिलेगा।

धनु राशि: आज तरक्की और आगे बढ़ने के कई अवसर आपके सामने आ सकते हैं। कारोबार को नई ऊंचाई देने के लिए बनाई गई योजनाएं उम्मीद से बेहतर परिणाम दे सकती हैं।

मकर राशि: आज आपकी प्रगति की रफ्तार तेज रह सकती है। कार्यक्षेत्र में आप जिस तरह जिम्मेदारियों को पूरा करेंगे, उससे वरिष्ठ अधिकारी भी प्रभावित हो सकते हैं।

कुंभ राशि: आज का दिन आपके लिए पारिवारिक सुख, मानसिक शांति और खुशियों का अच्छा मेल लेकर आ सकता है। घर में आपसी एकता और सकारात्मक वातावरण बना रहेगा।

मीन राशि: आज छोटी-सी लापरवाही भी किसी काम को बिगाड़ सकती है, इसलिए हर महत्वपूर्ण कदम सोच-समझकर उठाएं। कार्यक्षेत्र में किसी व्यक्ति के साथ बहस या मतभेद होने की संभावना है।

## निकट आता नेपाल

नेपाल में बड़े पैमाने पर हिंसा और राजनीतिक उथलपुथल के बाद इसी वर्ष मार्च में वहां के प्रधानमंत्री बने बालेन शाह की ओर से अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत आना एक शुभ संकेत है। प्रथम विदेश यात्रा के लिए भारत को प्राथमिकता देना यह बताता है कि अंतत: बालेन शाह को नई दिल्ली की महत्ता समझ आई। इसका एक कारण पश्चिम एशिया संकट के कारण नेपाल की आर्थिक समस्याएं बढ़ना और हाल की विनाशकारी बाढ़ से भारी तबाही होना भी हो सकता है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री बनने के बाद वे भारत से संबंध सुधारने के लिए उत्सुक नहीं दिख रहे थे और यहां तक कि भारतीय विदेश सचिव से मुलाकात करने को भी तैयार नहीं थे। हालांकि अपने पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री की तरह उन्होंने चीन के बजाय पहले भारत आना तय किया, पर देखना यह होगा कि वे संतुलन बैठाने के लिए बीजिंग जाने की तैयारी तो नहीं करते? नेपाल को यह समझ आए तो अच्छा कि चीन से संपर्क बनाए रखने और अपने यहां उसके प्रभुत्व को बढ़ने देने में अंतर है। इस अंतर को कायम रखने से ही भारत-नेपाल मैत्री प्रगाढ़ हो सकती है और बालेन शाह की नई दिल्ली यात्रा से जो सकारात्मक वातावरण बना, वह संबंधों की मधुरता बढ़ा सकता है।

युवा नेपाली प्रधानमंत्री की नई दिल्ली यात्रा पर जो अनेक समझौते हुए और भारत ने नेपाल के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए अच्छी-खासी सहायता राशि देने के साथ उसे हरसंभव मदद देने की जो वचनबद्धता व्यक्त की, वह इसका प्रमाण है कि भारत उसका भरोसेमंद हितैषी बनने को तत्पर है। अब नेपाल का भी यह दायित्व बनता है कि वह भारत के हितों का ध्यान रखते हुए दोस्ती को मजबूत करने वाले कदम उठाए, क्योंकि अतीत में वहां संकीर्ण राजनीतिक कारणों से न केवल भारत के खिलाफ माहौल बनाया गया, बल्कि उस चीन से नजदीकी बढ़ाई गई, जो हर देश में अपना प्रभुत्व कायम करना चाहता है और केवल अपने ही स्वार्थ सिद्ध करने की कोशिश में रहता है। वह ऐसी ही कोशिश नेपाल के साथ भारत के अन्य पड़ोसी देशों में भी कर रहा है। केवल भूटान ही चीन के प्रभाव-दबाव में आने को तैयार नहीं। नेपाल को इससे अवगत होना चाहिए कि चीन ने दोस्ती के बहाने किस तरह विभिन्न देशों के हितों पर चोट की है। यह स्वागतयोग्य है कि भारत और नेपाल के बीच ऐसे भी अनेक समझौते हुए, जो दोनों देशों के बीच के आर्थिक रिश्तों के साथ सांस्कृतिक-धार्मिक संबंधों को बल देने और एक-दूसरे के प्रति सहयोग एवं भरोसा बढ़ाने वाले हैं।

# भारत में फिर सजें युद्ध कलाओं की पाठशालाएँ

- नीलेश वर्मा



भारत वीरों का देश है, यहाँ प्राचीन सनातन संस्कृति और ज्ञान परंपराओं के साथ ही वीरता व युद्ध कौशल का गौरवशाली इतिहास रहा है। देश के विभिन्न अंचलों में विकसित हुई पारंपरिक युद्ध कलाओं के द्वारा बड़े-बड़े युद्ध जीतने के साथ ही पीढ़ियों तक युवाओं को शारीरिक रूप से सक्षम, मानसिक रूप से अनुशासित और हर परिस्थिति के लिए तैयार बनाया है। लेकिन आज दुर्भाग्य यह कि वर्षों की गुलामी झेलने के बाद देश आजाद हुआ, जिसके बाद सांस्कृतिक उपेक्षा के कारण हमारी नई पीढ़ी इन भारतीय युद्ध परंपराओं से दूर होती जा रही है। युवा पीढ़ी का बड़ा हिस्सा मोबाइल, कंप्यूटर और डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में अधिक समय बिता रहा है, जिससे शारीरिक गतिविधियों में कमी के कारण कमजोर आत्मविश्वास और अस्वस्थ जीवनशैली बच्चों से लेकर युवाओं तक समस्याएं बनती जा रही हैं। देश का युवा नवीन तकनी ?क के मामले में तो मानसिक तौर पर तैयार हो रहा है, किंतु शारीरिक बल के साथ भारतीय युद्ध कलाओं में कमजोर है। दूसरी ओर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा भी समाज के सामने एक गंभीर चुनौती है। ऐसे दौर में यह आवश्यक है कि पारंपरिक युद्ध कलाओं को फिर से जीवन और समाज की मुख्यधारा में स्थापित किया जाए, ताकि वे युवाओं की आत्मरक्षा, अनुशासन और स्वस्थ जीवन का मजबूत आधार बन सकें।

भारतीय युद्ध कलाओं की विशेषता यह है कि प्रत्येक कला अपने क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियों और ऐतिहासिक अनुभवों से विकसित हुई है। केरल का कलरिपयट्टु, पंजाब का गतका, महाराष्ट्र का मर्दानी, मणिपुर का थांग-ता और प्राचीन मल्ल युद्ध में शक्ति के साथ तकनीक व धैर्य की परीक्षा होती है। ये विधाएँ केवल दाँव-पेंच नहीं, बल्कि आत्मसंयम एवं एकाग्रता के साथ ही समग्र व्यक्तित्व के निर्माण का माध्यम हैं। लेकिन विडंबना यह है कि अपनी समृद्ध परंपरा के बावजूद आज भारत में कराटे, ताइक्वांडो और कुंग-फू जैसे विदेशी मार्शल आर्ट्स को अधिक लोकप्रियता मिल रही है, जबकि हमारी कलाओं को आधुनिक खेल व्यवस्था व शैक्षणिक गतिविधियों से पर्याप्त रूप से नहीं जोड़ा जा सका। वर्तमान में आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप इन्हें विकसित किया जाए तो ये युवतियों व महिलाओं की आत्मरक्षा, फिटनेस और बच्चों में अनुशासन विकसित करने का प्रभावी माध्यम बन सकती हैं।

देश भर के स्कूलों और कॉलेजों में खेल, संगीत एवं योग की तरह पारंपरिक युद्ध कलाओं को भी शारीरिक शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इसके लिए प्रशिक्षित गुरुओं की सेवाएं लेकर विद्यार्थियों को क्षेत्रीय परंपराओं के अनुसार गतका, मल्ल युद्ध, लाठी कला और अन्य सुरक्षित युद्ध कौशल सिखाए जा सकते हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारें खेलो इंडिया जैसी योजनाओं संचालित कर राज्य स्तरीय खेल कार्यक्रमों के माध्यम से इन कलाओं के प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं को प्रोत्साहित करें। ग्रामीण क्षेत्रों और जिला स्तर पर प्रशिक्षण केंद्र स्थापित कर पारंपरिक गुरुओं, अखाड़ों, खिलाड़ियों को मानदेय, प्रशिक्षण सामग्री तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। इन युद्ध कलाओं को केवल प्रदर्शन और सांस्कृतिक आयोजनों तक सीमित न रखते हुए नियमित प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिताओं से जोड़ने की आवश्यरकता है। प्रत्येक कला की मूल तकनीक, इतिहास और पारंपरिक प्रशिक्षण पद्धति का संरक्षण करते हुए आधुनिक खेल विज्ञान का समन्वय किया जाए, ताकि इनकी मौलिक पहचान बरकरार रहे और नई पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़ सके। इसके लिए सरकार को योजनाबद्ध और ठोस पहल करनी होगी। जब हर जिले और शिक्षण संस्थान तक युद्ध कलाओं की पाठशालाएँ पहुँचेंगी, तब यह सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ एक स्वस्थ, सतर्क और आत्मनिर्भर पीढ़ी के निर्माण का आधार बनेगा। अपनी विरासत को सहेजकर और अभ्यास में उतारकर ही हम आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित व सशक्त भविष्य दे सकते हैं।

## विरासत को सहेजने के साथ समझें भी

- गजेंद्र सिंह शेखावत

सभ्यताओं की महानता उनके साम्राज्यों, स्मारकों और उपलब्धियों के साथ इससे भी बनती है कि वे अपने ज्ञान, स्मृतियों, विचारों और सांस्कृतिक परंपराओं को कितनी जीवंतता के साथ आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाती हैं। कुछ सभ्यताएं अपने स्थापत्य के लिए जानी जाती हैं, कुछ साहित्य और दर्शन के लिए तो कुछ अपनी लोक परंपराओं और जीवन-पद्धति के लिए। भारत उन विरल सभ्यताओं में है, जहां ये सभी धाराएं एक साथ प्रवाहित होती रही हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों और ऐतिहासिक नगरों से लेकर सदियों पुरानी पांडुलिपियों तक, दर्शन की गहन परंपराओं से लेकर लोकगीतों, उत्सवों और शिल्पकलाओं तक, भारत का अतीत आज भी हमारे वर्तमान में सांस लेता है। हाल में महाभारत, राजतरंगिणी और अर्थशास्त्र की पांडुलिपियों को यूनेस्को के 'मेमोरी आफ द वर्ल्ड एशिया-पैसिफिक रीजनल रजिस्टर' में स्थान मिलना इसी सभ्यतागत विरासत की महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता है। 2024 में रामचरितमानस, पंचतंत्र और सहृदयालोक-लोचन को भी इसी क्षेत्रीय रजिस्टर में स्थान मिला था। इन उपलब्धियों का महत्व इसलिए भी अधिक है कि ये ग्रंथ भारतीय चिंतन की अलग-अलग, किंतु परस्पर जुड़ी हुई परंपराओं का प्रतिनिधित्व करते हैं।

12वीं शताब्दी में कल्हण रचित राजतरंगिणी ऐतिहासिक लेखन की एक विशिष्ट परंपरा प्रस्तुत करती है। महर्षि वेदव्यास का महाभारत युद्ध की कथा से कहीं आगे बढ़कर धर्म, कर्तव्य, नैतिकता, सत्ता, समाज और मानवीय संबंधों के जटिल प्रश्नों पर विचार करता है। इसके भीतर समाहित श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश आज भी दुनिया भर के विचारकों और साधकों को प्रेरित करता है। आचार्य कौटिल्य का अर्थशास्त्र शासन, प्रशासन, आर्थिकी, कूटनीति और राज्य संचालन के विषय में भारतीय चिंतन की परिपक्वता का प्रमाण है। इन ग्रंथों से जुड़ी पांडुलिपियां भी अपने आप में ऐतिहासिक धरोहर हैं। भारत की सांस्कृतिक यात्रा को वैश्विक पहचान दिलाने में पिछले एक दशक के दौरान प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उनका मंत्र-'विकास भी, विरासत भी'-इसी सोच को दर्शाता है कि आधुनिकता और परंपरा एक-दूसरे की विरोधी नहीं। 2014 में यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में भारत के 32 स्थल थे, जबकि आज इनकी संख्या 45 हो गई है। यह विस्तार भारत की बहुआयामी विरासत को समझने और स्वीकार करने की वैश्विक दृष्टि का विस्तार है। भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत को भी अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है। योग, कुंभ मेला, दुर्गा पूजा, गरबा, रामलीला, वैदिक मंत्रोच्चार और राजस्थान की कालबेलिया परंपरा जैसी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां हमारी जीवंत परंपराओं का परिचय देती हैं। 2025 में दीपावली को यूनेस्को की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया जाना भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। योग को वैश्विक पहचान दिलाने की पहल भी भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतरराष्ट्रीय विस्तार का उल्लेखनीय उदाहरण है। विदेश से प्राचीन मूर्तियों और पुरावशेषों की वापसी ने भी हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को उनके मूल सांस्कृतिक परिवेश से जोड़ने का काम किया है। पिछले वर्षों में 350 से अधिक प्राचीन धरोहरें विदेश से लाई गई हैं।

# भारत-नेपाल नई रणनीतिक साझेदारी की दस्तक

- ललित गर्ग



नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह का 22-23 नवंबर 2026 का भारत दौरा केवल एक प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा नहीं, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों में एक संभावित नई शुरुआत का संकेत है। मार्च में प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद किसी देश की उनकी पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा भारत की है। सितंबर में वे संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए अमेरिका गए थे, लेकिन वह यात्रा द्विपक्षीय राजकीय यात्रा नहीं थी। इस दृष्टि से नई दिल्ली का उनका पहला पड़ाव विशेष महत्व रखता है। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि बालेन शाह के सत्ता में आने के बाद नेपाल की विदेश नीति में कुछ नए तेवर दिखाई दिए थे। भारत के प्रति उनके कुछ बयानों ने असहजता पैदा की, जबकि चीन के साथ नेपाल के आर्थिक और रणनीतिक संपर्क लगातार बढ़ते रहे। लेकिन विदेश नीति में स्थायी मित्रता और अस्थायी मतभेद दोनों साथ चलते हैं। 'देर आए, दुरुस्त आए'-बालेन शाह का नई दिल्ली आना इसी भाव को पुष्ट करता है।

भारत ने भी इस रिश्ते में दरवाजा कभी बंद नहीं किया। अगस्त की विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत ने नेपाल को आपात सहायता, राहत सामग्री और तकनीकी सहयोग दिया। भारत की यह भूमिका केवल मानवीय सहायता नहीं थी, बल्कि यह संदेश भी था कि मुश्किल समय में पड़ोसी ही सबसे पहले काम आता है। भारत और नेपाल का रिश्ता किसी सामान्य राजनयिक समझौते का रिश्ता नहीं है। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, धार्मिक-सांस्कृतिक निकटता, विवाह संबंध, तीर्थ परंपरा, भाषा और सामाजिक संपर्क सदियों पुराने हैं। जनकपुर और अयोध्या, पशुपतिनाथ और काशी, बुद्ध की जन्मभूमि लुंबिनी और भारत की बौद्ध परंपरा, ये केवल पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक चेतना के पड़ाव हैं। लेकिन आज की दुनिया में केवल 'रोटी-बेटी का रिश्ता' पर्याप्त नहीं है। भावनाओं की अपनी जगह है, पर आर्थिक हित, तकनीक, ऊर्जा, सुरक्षा और कनेक्टिविटी भी रिश्तों की नई भाषा बन चुके हैं। इसलिए भारत-नेपाल संबंधों को भावनात्मक विरासत से आगे ले जाकर आर्थिक और रणनीतिक साझेदारी में बदलना समय की मांग है।

नेपाल को विकास के लिए पूंजी, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा बाजार और बेहतर संपर्क चाहिए। भारत के पास इन क्षेत्रों में क्षमता है। दूसरी ओर भारत को एक स्थिर, समृद्ध और मित्रवत नेपाल चाहिए। इसीलिए दोनों देशों के हितों में मूलभूत टकराव से अधिक पूरकता है। बालेन शाह का भारत आना अपने आप में कूटनीतिक संदेश है। उनके पूर्ववर्ती केपी शर्मा ओली ने पहली आधिकारिक विदेश यात्रा चीन की करके पुरानी अघोषित परंपरा से अलग रास्ता चुना था। बालेन का भारत से शुरुआत करना यह साबित नहीं करता कि नेपाल चीन से दूरी बना रहा है, लेकिन यह जरूर बताता है कि नई दिल्ली को काठमांडू की विदेश नीति में उसका स्वाभाविक और महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त है। आज नेपाल भारत और चीन के बीच संतुलन साधना चाहता है। यह उसकी भौगोलिक और आर्थिक वास्तविकता भी है। भारत इसे समझता है और उसे किसी खेमे में धकेलने के बजाय ऐसी साझेदारी विकसित कर सकता है जिसमें नेपाल को अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ विकास के अधिक विकल्प मिलें। यही भारत की वास्तविक कूटनीतिक परीक्षा भी है-नेपाल को यह महसूस कराया जाए कि भारत उसके विकल्प सीमित नहीं करता, बल्कि उसके विकल्प बढ़ाता है। बालेन शाह की यात्रा में नेपाल ने करीब दो अरब डॉलर की अनुदान एवं रियायती ऋण सहायता की मांग रखी है। भारत ने आर्थिक प्रस्ताव पर सकारात्मक संकेत दिए हैं, हालांकि अंतिम पैकेज और उसकी संरचना पर बातचीत जारी है। हवाई मार्ग के प्रश्न पर भी अभी पूर्ण सहमति नहीं बनी है। यहीं भारत को एक नई सोच अपनानी चाहिए।

नेपाल को केवल सहायता देना पर्याप्त नहीं, नेपाल की अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने वाली परियोजनाओं में भारत का भागीदार बनना अधिक उपयोगी होगा। जलविद्युत इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। नेपाल के पास विशाल जलविद्युत क्षमता है, जबकि भारत को स्वच्छ ऊर्जा की बढ़ती जरूरत है। दोनों देश दीर्घकालिक बिजली व्यापार, ट्रांसमिशन लाइन और नई जलविद्युत परियोजनाओं के माध्यम से ऐसा मॉडल बना सकते हैं जिसमें नेपाल बिजली पैदा करे, भारत बाजार उपलब्ध कराए और दोनों देश समृद्ध हों। भारत-नेपाल के बीच 10,000 मेगावाट तक दीर्घकालिक बिजली व्यापार का लक्ष्य इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पंचेश्वर परियोजना, लोअर अरुण, सीमा-पार बिजली संपर्क और नए ऊर्जा गलियारों को पुराने मतभेदों की फाइलों में दबाकर नहीं रखा जा सकता। 'जब जागो तभी सवेरा'-अब दोनों देशों को लंबित परियोजनाओं को परिणाम की जमीन पर उतारना होगा। भारत-नेपाल संबंधों का अगला बड़ा अध्याय कनेक्टिविटी होना चाहिए। रेल, सड़क, पाइपलाइन, डिजिटल नेटवर्क और हवाई संपर्क, ये आधुनिक युग की नई कूटनीतिक धमनियां हैं। अयोध्या-जनकपुर रेल संपर्क का आज ही शुरु होना सांस्कृतिक और पर्यटन दोनों दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। रक्सौल-काठमांडू रेल संपर्क भविष्य में व्यापार और यात्रियों की आवाजाही को नई दिशा दे सकता है। सीमा पर एकीकृत जांच चौकियां, ऊर्जा पाइपलाइन और व्यापारिक गलियारों का विस्तार दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को जोड़ सकता है। नेपाल के भैरहवा और पोखरा जैसे हवाई अड्डों के लिए अतिरिक्त भारतीय हवाई मार्ग की मांग भी महत्वपूर्ण है। इस विषय पर सुरक्षा, तकनीकी और हवाई क्षेत्र से जुड़े पहलुओं को ध्यान में रखते हुए व्यावहारिक समाधान खोजने की जरूरत है। कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा जैसे सीमा विवाद दोनों देशों के संबंधों की संवेदनशील वास्तविकता हैं। इसके अलावा 1950 की भारत-नेपाल संधि की समीक्षा, गोरखा सैनिकों की भर्ती, व्यापार असंतुलन और पंचेश्वर जैसे विषय भी समय-समय पर तनाव पैदा करते रहे हैं। इन विवादों को न तो नजरअंदाज किया जा सकता है और न ही उन्हें हर बैठक का केंद्र बनाना उचित होगा। रास्ता है-संवाद, तथ्य, संवेदनशीलता और राजनीतिक परिपक्वता।

# सिंगरौली से आते थे, बलंगी में करते थे चोरी! शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश, मास्टरमाइंड समेत दो गिरफ्तार

## चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार की जा रही कार्रवाई

**बलरामपुर (जनता के गोठ)** : बलरामपुर जिले में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में बलरामपुर जिले की बलंगी पुलिस ने एक शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के कथित मास्टरमाइंड सहित दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपी मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के निवासी हैं, जो अपने साथियों के साथ छत्तीसगढ़ के बलंगी क्षेत्र में आकर चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, मामला 12 मई 2026 की दरमियानी रात का है। ग्राम महोली निवासी धीरेंद्र कुमार पाठक (44 वर्ष) ने बलंगी चौकी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात करीब 1:30 बजे तीन नकाबपोश व्यक्ति उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने दरवाजे की कुंडी तोड़कर घर में प्रवेश किया। इस दौरान दो आरोपी दीवार फांदकर भाग निकले, जबकि एक आरोपी ने उन्हें पकड़ लिया। विरोध करने पर आरोपी ने लोहे की रॉड जैसी वस्तु से उनके सीने और माथे पर हमला कर दिया तथा घर में रखे करीब 91 हजार 616 रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गए।




घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर बलंगी चौकी पुलिस एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम गठित की गई। चौकी प्रभारी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और साक्ष्यों एवं तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच में सामने आया कि सिंगरौली निवासी शुक्ला बसोर अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। पुलिस द्वारा लगातार उसकी तलाश की जा रही थी, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचने के लिए अलग-अलग राज्यों में भागता रहता था।

**मुखबिर की सूचना पर मध्यप्रदेश से आरोपी गिरफ्तार**

पुलिस को 22 नवंबर 2026 को मुखबिर के माध्यम से सूचना मिली कि शुक्ला बसोर बरगवां थाना क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथी राजकुमार बसोर एवं एक अन्य व्यक्ति के साथ ग्राम हरदीबहरा, बलंगी चौकी क्षेत्र में चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों ने चोरी किए गए कुछ जेवरात पंजाब में किसी अज्ञात व्यक्ति को बेचने की जानकारी भी दी। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10 हजार रुपये नगद, दो नग सोने का लॉकेट, एक सोने का झुमका, एक जोड़ी चांदी का पायल, पैर की चांदी की चांदी, एक चांदी का कान का बाली तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल सहित कुल 1 लाख 29 हजार 745 रुपये का मशरूका बरामद किया है। इस मामले में पुलिस ने शुक्ला बसोर पिता शुद्ध बसोर, उम्र 56 वर्ष, निवासी लोटनी, बरगवां, जिला सिंगरौली तथा राजकुमार बसोर पिता केवल प्रसाद बसोर, निवासी ग्राम बरहापान, जिला सिंगरौली मध्यप्रदेश को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।




**पुलिस टीम की मेहनत से मिली सफलता**

इस पूरी कार्रवाई में बलंगी चौकी प्रभारी पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में अफजल खान, रिंकू गुप्ता, आरक्षक साहिल कश्यप, दीपक संधिया, अमीरचंद, डीएसएफ कृष्णा हलदार, महिला आरक्षक मोहम्मनी खलखो तथा साइबर सेल बलरामपुर से आकाश तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

# दक्षिण क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में जगदलपुर का दबदबा, ओवरऑल चैंपियन बना

## 167 अंक हासिल कर कृषि महाविद्यालय जगदलपुर ने जीती विजेता ट्रॉफी, नारायणपुर रहा उपविजेता

**ओमप्रकाश रजक/जनता के गोठ**

जगदलपुर। कुम्हरावंड स्थित शहीद गुण्डाधुर कृषि महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय दक्षिण क्षेत्रीय अंतरमहाविद्यालयीन खेलकूद प्रतियोगिता का समापन मंगलवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि बस्तर सांसद महेश कश्यप, अध्यक्षता कृषि महाविद्यालय जगदलपुर के अधिष्ठाता डॉ. आरएस नेताम तथा अतिविशिष्ट अतिथि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर के कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. नवनीत राणा और डॉ. इशू साहू भी शामिल हुए।




सांसद महेश कश्यप ने अपने खेल जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा कि खेल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने युवाओं को नियमित खेल गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव डॉ. कपिल देव दीपक ने कहा कि पढ़ाई के साथ खेलकूद और सांस्कृतिक गतिविधियों में सहभागिता विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी है। तीन दिनों तक चली प्रतियोगिता में मेजबान जगदलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बालक वर्ग खो-खो, कबड्डी, टेबल टेनिस और रिले रेस में प्रथम स्थान हासिल किया। वॉलीबॉल में भी टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। कुल 167 अंक अर्जित कर जगदलपुर ने ओवरऑल विजेता ट्रॉफी अपने नाम की, जबकि कृषि महाविद्यालय नारायणपुर उपविजेता रहा। बालक वर्ग में कुरूद के मिथुन को बेस्ट प्लेयर ऑफ साउथ जोन तथा बालिका वर्ग में दीपशिखा दीवान को लगातार दूसरे वर्ष सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। समारोह में विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। अंत में डॉ. आरआर कंवर ने आभार व्यक्त किया।

# नेशनल एडवेंचर ट्रेनिंग कैंप में वैली क्रॉसिंग के दौरान छत्तीसगढ़ की टीम का शानदार प्रदर्शन, साहस और आत्मविश्वास का दिया परिचय

**भुजबल बघेल**

बकावंड जनता के गोठ। नेशनल एडवेंचर ट्रेनिंग कैंप के अंतर्गत आयोजित साहसिक गतिविधि वैली क्रॉसिंग (Valley Crossing) में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने साहस, आत्मविश्वास, धैर्य और टीम भावना का परिचय दिया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवदास बंजारे एवं मधु कंवर के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की टीम ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ इस साहसिक गतिविधि में भाग लिया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन एवं सुरक्षा उपकरणों की सहायता से रस्सियों के सहारे घाटी पार करने का रोमांचक अनुभव प्राप्त किया।




ऊंचाई और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच वैली क्रॉसिंग करना प्रतिभागियों के लिए बेहद रोमांचकारी रहा। टीम के सदस्यों ने पूरे आत्मविश्वास, साहस और एकजुटता के साथ इस चुनौती को पूरा किया तथा अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का ध्यान आकर्षित किया।

इस प्रशिक्षण गतिविधि का मुख्य उद्देश्य युवाओं में साहसिक भावना विकसित करना, आत्मविश्वास बढ़ाना तथा अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और टीमवर्क की भावना को मजबूत करना है। इस तरह की गतिविधियां युवाओं को कठिन परिस्थितियों का सामना करने और जीवन की चुनौतियों से आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं। राष्ट्रीय स्तर के इस प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करना प्रतिभागियों के लिए गर्व और सम्मान का विषय है। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. देवदास बंजारे एवं मधु कंवर के नेतृत्व में टीम लगातार उत्साहपूर्वक विभिन्न साहसिक गतिविधियों में सहभागिता कर रही है।

छत्तीसगढ़ की टीम का जोश, साहस और जज्बा निश्चित रूप से काबिले तारीफ है।

# 27 नवंबर को होने वाला संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला स्थगित, अब दिसंबर में होगा आयोजन

**बलरामपुर (जनता के गोठ)** : जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र, बलरामपुर द्वारा 27 नवंबर 2026 को जिला परियोजना लाइवलीहुड कॉलेज, बलरामपुर में प्रस्तावित संभाग स्तरीय विशाल रोजगार मेला अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दिया गया है। अब यह मेला दिसंबर 2026 में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है। मेले की निश्चित तिथि और स्थान की सूचना अलग से जारी की जाएगी।

मेले में निजी क्षेत्र की 11 प्रतिष्ठित कंपनियां 1,631 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती करेंगी। इनमें नर्सिंग, केयर-टेकर, सिक्योरिटी गार्ड/सुपरवाइजर, इलेक्ट्रिक मीटर टेक्नीशियन, मशीन ऑपरेटर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, फील्ड ऑफिसर, टीचर और बीमा सखी जैसे पद शामिल हैं। इन पदों के लिए 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, स्नातक और जीएनएम/एएनएम योग्यता निर्धारित है।

इच्छुक आवेदकों को मेले से पहले ई-रोजगार पोर्टल ( erojgar.cg.gov.in ) या सीजी रोजगार ऐप पर ऑनलाइन पंजीयन कर संबंधित पद के लिए आवेदन करना अनिवार्य है। साक्षात्कार के दिन अभ्यर्थी सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की मूल प्रति और छायाप्रति, आधार कार्ड, रोजगार पंजीयन कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो और बायोडाटा साथ लाएं। आवेदन और चयन प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है। अधिक जानकारी के लिए कार्यालयीन समय (सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक) में संपर्क नंबर 9685672368 पर संपर्क किया जा सकता है।

# पत्रकारों के स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा के सुझावों के लिए रायपुर प्रेस क्लब ने गठित की एडवाइजरी कमेटी

## प्रेस क्लब ने प्रदेशभर के मीडिया कर्मियों से सुझाव देने की अपील की

**रायपुर।** मीडिया कर्मियों को स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शुरू की गई पहल को प्रभावी और व्यापक बनाने के लिए रायपुर प्रेस क्लब ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। प्रेस क्लब ने पत्रकारों एवं मीडिया कर्मियों के सुझावों को संकलित कर शासन तक पहुंचाने के लिए एडवाइजरी कमेटी का गठन किया है। उल्लेखनीय है कि रायपुर प्रेस क्लब द्वारा लगातार मीडिया कर्मियों की स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा का मुद्दा उठाए जाने के बाद राज्य शासन ने 'छत्तीसगढ़ मीडिया कर्मी स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना@2026' का प्रारूप तैयार कर उस पर सुझाव आमंत्रित किए हैं। योजना के प्रारूप और उसके क्रियान्वयन को लेकर 30 नवंबर 2026 तक सुझाव भेजे जा सकते हैं। जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट www.dprcg.gov.in पर योजना का प्रारूप उपलब्ध है। सुझाव chhattisgarhmedi-akarmi@gmail.com पर ईमेल के माध्यम से भेजे जा सकते हैं। रायपुर प्रेस क्लब ने इस दिशा में पत्रकारों के सामूहिक सुझावों को व्यवस्थित रूप से शासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से एडवाइजरी कमेटी गठित की है।

समिति में
1.राजेश दुबे,
2.संजीव गुप्ता,
3.ताहिर हैदरी
4.राजेंद्र निगम,
5.नागेंद्र वर्मा,
6.राजेश सोनकर एवं
7.लखन शर्मा को शामिल किया गया है। समिति प्रदेशभर के पत्रकारों और मीडिया संस्थानों से प्राप्त सुझावों का अध्ययन एवं संकलन कर स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा योजना को लेकर एक समग्र प्रस्ताव तैयार करेगी और उसे शासन के समक्ष प्रस्तुत करेगी। रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि पत्रकारिता के दायित्वों का निर्वहन करते हुए मीडियाकर्मी कई तरह के स्वास्थ्य और दुर्घटना संबंधी जोखिमों का सामना करते हैं। ऐसे में उनके और उनके परिवारों के लिए बेहतर स्वास्थ्य एवं दुर्घटना बीमा सुरक्षा समय की आवश्यकता है। शासन द्वारा योजना का प्रारूप जारी कर सुझाव आमंत्रित करना सकारात्मक पहल है। प्रेस क्लब का प्रयास है कि पत्रकारों के वास्तविक अनुभवों और जरूरतों के आधार पर ऐसे सुझाव शासन तक पहुंचें, जिससे योजना अधिक व्यावहारिक, समावेशी और लाभकारी बन सके।

प्रेस क्लब के महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष दिनेश यदु, संयुक्त सचिव निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े सहित समस्त पदाधिकारियों ने प्रदेश के पत्रकारों और मीडिया कर्मियों से अपील की है कि वे योजना के प्रारूप का गंभीरता से अध्ययन करें और स्वास्थ्य बीमा, दुर्घटना कवरेज, प्रीमियम, पात्रता, परिवार के सदस्यों की सुरक्षा, उपचार की सुविधाओं एवं क्लेम प्रक्रिया जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर अपने सुझाव समिति तक पहुंचाएं।

# जंगल में हाथी का ट्रैक्टर पर हमला : ग्रामीणों में मची भगदड़, बाल-बाल बची जान

**कोरबा।** हाथियों को भगाने के लिए जंगल में ट्रैक्टर लेकर पहुंचे कुछ ग्रामीणों की कोशिश उस वक्त जानलेवा मुसीबत में बदल गई, जब शोर से भड़के एक गुस्साए हाथी ने अचानक ट्रैक्टर पर ही हमला बोल दिया। हाथी ने अपनी सूंड से ट्रैक्टर के अगले हिस्से को पकड़ लिया और उसे झिंझोड़ कर बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया। कुछ ही सेकंड का यह पूरा घटनाक्रम इतना खतरनाक था कि ट्रैक्टर में सवार ग्रामीणों की जान पर बन आई थी।गनीमत रही कि सभी बाल-बाल बच गए। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें ग्रामीण हाथियों के करीब पहुंचकर शोर मचाते नजर आ रहे हैं। इसी दौरान एक हाथी अचानक आक्रामक हो गया और काफी अप्रत्याशित तरीके से ट्रैक्टर की तरफ बढ़ते हुए उसके अगले हिस्से को सूंड से पकड़ लिया। हाथी ने ट्रैक्टर को जोरदार तरीके से झकझोर दिया, जिससे उसका अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर जागर सिंह राठिया का है। यह घटना कोरबा वन मंडल के कुदमुरा वन परिक्षेत्र अंतर्गत जिल्गा परिसर के आमा डुगरु जंगल की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक कुछ ग्रामीण ट्रैक्टर लेकर हाथियों को भगाने जंगल के भीतर पहुंचे थे। ट्रैक्टर से लगातार हो-हल्ला और शोर किया जा रहा था। हाथियों के बेहद करीब पहुंचना ही भारी पड़ गया और एक हाथी ने अचानक पलटवार कर दिया। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि ट्रैक्टर में ग्रामीण सवार थे और सामने गुस्साया हाथी था। जंगल का ऊबड़-खाबड़ रास्ता और हाथी का अचानक हमला, ऐसे में यदि ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ता या कोई ग्रामीण नीचे गिर जाता तो स्थिति बेहद गंभीर हो सकती थी।

# विधायक अनुज शर्मा ने बहेसर गाँव को लिया गोद, पूरे गाँव को निःशुल्क सोलर की सौगात; 7 ग्रामों में जनचौपाल लगाकर समस्याओं का किया त्वरित निदान

## - पठारीडीह में प्रदूषित पानी की समस्या पर सख्त एक्शन, ग्रामीण के घर जमीन पर बैठकर किया भोजन और मुरेठीं में किया रात्रि विश्राम

**धरसीवाँ।** जनता से सीधा संवाद स्थापित करने और समाज की अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से निकाली जा रही 'सेवा संवाद यात्रा' के तीसरे दिन आज धरसीवाँ विधायक श्री अनुज शर्मा ने विधानसभा क्षेत्र के 7 ग्रामों– पठारीडीह, कन्हेरा, कुम्हारी, चिखली, बहेसर, मुरेठीं और सोन्ड्रा का सघन दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गाँवों की गलियों में पैदल भ्रमण कर घर-घर दस्तक दी, आम नागरिकों से आत्मीय भेंट-मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना और क्षेत्र के विकास कार्यों पर सीधा फीडबैक लिया।

इस अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा ने कहा, ÷सेवा संवाद यात्रा÷ का उद्देश्य सत्ता को जनता के द्वार तक लाना है। मोदी जी की गारंटी और विष्णुदेव साय जी के सुशासन में धरसीवाँ के हर गाँव का समग्र विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। ग्रामीणों की हर छोटी-बड़ी समस्या का समाधान और मूलभूत सुविधाओं का विस्तार हम पूरी प्रतिबद्धता के साथ कर रहे हैं। जनचौपाल में समस्याओं का त्वरित निदान और प्रमुख घोषणाएँ

यात्रा के दौरान विधायक श्री शर्मा ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में 'जनचौपाल' लगाकर पेयजल, बिजली, सड़क और राशन से जुड़ी ग्रामीणों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को इनके त्वरित निदान के कड़े निर्देश दिए। साथ ही, ग्रामीणों की माँग पर कई महत्वपूर्ण विकास कार्यों की घोषणाएँ कीं:

बहेसर: विधायक श्री शर्मा ने ग्राम बहेसर को गोद लेने की ऐतिहासिक घोषणा करते हुए पूरे गाँव में निःशुल्क सोलर लाइट लगाने की सौगात दी। इसके अलावा, सीएसआर मद से शीतला मंदिर में पेवर ब्लॉक, सामुदायिक भवन रिपेयरिंग और ओपन जिम की स्वीकृति दी।

पठारीडीह: फैक्ट्री से निकलने वाले प्रदूषित पानी व कचरे की समस्या के स्थायी समाधान के निर्देश दिए तथा सीएसआर मद से आंगनबाड़ी केंद्र में बाउंड्रीवाल निर्माण को मंजूरी दी।

कन्हेरा, कुम्हारी व चिखली: कन्हेरा रोड में पेयजल हेतु बोर खनन, कुम्हारी में तालाब पचरी निर्माण व सौंदर्यीकरण तथा चिखली स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण व तालाब सौंदर्यीकरण की घोषणा की।?

सोन्ड्रा: पेयजल हेतु बोर खनन, सीसी रोड, नाली निर्माण, स्कूल परिसर में शेड और सीएसआर मद से 3 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की सौगात दी।

**मितानिन दिवस पर स्वास्थ्य सखियों का विशेष सम्मान-** 'मितानिन दिवस' के पावन अवसर पर विधायक श्री अनुज शर्मा ने ग्राम कन्हेरा और बहेसर में विशेष सम्मान समारोह आयोजित कर क्षेत्र की मितानिन बहनों (स्वास्थ्य सखियों) का आत्मीय सम्मान किया, जिनमें कन्हेरा की कर्मठ मितानिन बहनें श्रीमती पल्मा लहरे एवं श्रीमती निर्मला डहरे प्रमुख रूप से शामिल रहीं। इस अवसर पर विधायक श्री शर्मा ने कहा, ÷मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ हैं, जो विषम परिस्थितियों में भी गर्भवती माताओं, नवजात शिशुओं और ग्रामीणों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से सेवा कार्य करती हैं।÷ उन्होंने सभी मितानिन बहनों को श्रीफल, शाल और सम्मान पत्र भेंट कर उनके सेवाभाव की सराहना की और हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।



**शासकीय संस्थानों का औचक निरीक्षण और ग्रामीण के घर भोजन-** सुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए विधायक श्री शर्मा ने विभिन्न ग्रामों में चल रहे निर्माण एवं विकास कार्यों की गुणवत्ता को स्वयं मौके पर जाकर परखा और अधिकारियों को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय कार्यालयों, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा स्कूली बच्चों व कर्मचारियों से आत्मीय बातचीत की। सादगी और जनसेवा की अनूठी मिसाल पेश करते हुए विधायक ने दोपहर का भोजन एक आम ग्रामीण के घर पर पूरे परिवार के साथ जमीन पर बैठकर किया।

**नारी शक्ति, युवाओं, श्रमिकों और प्रबुद्धजनों से विशेष संवाद-** प्रवास के दौरान विधायक श्री शर्मा ने महिला स्व-सहायता समूहों व नारी शक्ति से संवाद कर उनके स्वावलंबन कार्यों की सराहना की। उन्होंने युवाओं से रोजगार व भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की तथा श्रमिक बंधुओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, गाँव के वरिष्ठ नागरिकों, प्रबुद्धजनों और समाज प्रमुखों के साथ क्षेत्र के समग्र विकास एवं सामाजिक समरसता पर विमर्श करते हुए ग्रामीणों को मोदी सरकार व विष्णुदेव साय सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

**मुरेठीं में रात्रि विश्राम, भक्तिमय संध्या और संगठनात्मक बैठक-** तीसरे दिन की यात्रा के अंतिम पड़ाव में विधायक श्री अनुज शर्मा ने ग्राम मुरेठीं में ग्रामीणों के बीच रात्रि विश्राम किया। रात्रि के समय उन्होंने दुर्गा चौक में कीर्तन मंडलियों के साथ बैठकर भजन-कीर्तन और सेवा कार्य में सहभागिता की, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके अतिरिक्त, संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से उन्होंने शक्तिकेंद्र प्रभारियों एवं बूथ अध्यक्षों के साथ सामूहिक बैठक कर आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

**कार्यक्रम में प्रमुख उपस्थिति-** इस संपूर्ण यात्रा के दौरान विधायक श्री अनुज शर्मा के साथ योगेश तिवारी, संदीप यदु, शकुंतला ढिलेंद्र सेन, यात्रा प्रभारी अरविंद ठाकुर, सह-प्रभारी कृष्ण कुमार वर्मा, नरेंद्र ठाकुर, रुक्मिणी वर्मा, चंद्रशेखर शुक्ला, निहाल सिंह वर्मा, रश्मि वर्मा, नत्थू यदु, रामखिलावन वर्मा, अशोक सिन्हा, सोहन धीवर, गोविंद साहू, सुमीत सेन, हेमंत वर्मा, मो. यूनुस खान, तिहारू सिन्हा, भुनेश्वर निषाद, यशवंत भारती, सुखनंदन जांगड़े, धनेश्वर चक्रधारी, जागेश्वर वर्मा, संतोष यादव, रामकुमार निषाद, सुनील परघनिया, हेमप्रभा यदु, प्रमोद निषाद और बलराम साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन व भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

## ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था।

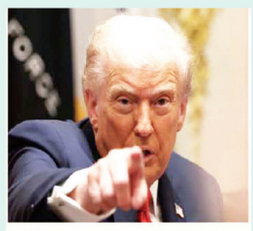

सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था। मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

## पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान



**बीजिंग, एजेंसी।** वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। क्या है अमेरिकी वित्त मंत्री का रुख राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे। मेगास्पीड अत्याधुनिक चिप्स का उपयोग करके कंप्यूटिंग क्षमता तैयार करती है, जिसका चीनी कंपनियां रिमोटली उपयोग करती हैं। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों के अनुसार, इस पूर्व कार्यकारी पर चीन के लिए जासूसी करने का संदेह था।

# सुअर के प्यार में पड़ी महिला ने 10 साल की शादी तोड़ी, बोली- पति नहीं देता था इजाजत, तलाक लेकर पूरा किया सपना



**न्यूयार्क, एजेंसी।** शादी के 10 साल बाद तलाक हुआ तो आमतौर पर लोग नई जिंदगी शुरू करने के लिए घर, नौकरी या घूमने-फिरने की योजनाएं बनाते हैं, लेकिन अमेरिका की एक महिला ने अपनी नई शुरुआत एक पालतू सुअर के साथ की। उसके पूर्व पति को घर में सुअर पालना बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन तलाक होते ही महिला ने अपना बरसों पुराना सपना पूरा कर लिया। अमेरिका के टेनेसी राज्य के नैशविले की रहने वाली 33 वर्षीय गेल्या थॉम्पसन ने 10 साल की शादी खत्म होने के बाद अपनी जिंदगी को नया मोड़ दिया। नवंबर 2025 में तलाक के बाद उन्होंने आठ सप्ताह के एक छोटे सुअर को गोद लिया, जिसका नाम डेजी रखा। उस समय उसका वजन करीब नौ पाउंड (चार किलो) था। थॉम्पसन के मुताबिक, उनके पूर्व पति उन्हें कभी घर में पालतू सुअर रखने की अनुमति नहीं देते थे। तलाक की प्रक्रिया पूरी होते ही उन्होंने सबसे पहले अपना पुराना सपना पूरा करने का फैसला किया। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मैंने एक सुअर को छोड़कर दूसरा सुअर अपना लिया। उनके लिए डेजी सिर्फ एक पालतू जानवर नहीं, बल्कि नई जिंदगी की शुरुआत का प्रतीक बन गई।

**घर में बिस्तर से लेकर टॉयलेट बॉक्स तक पूरे इंतजाम:** डेजी अब चार महीने की हो चुकी है और उसका वजन करीब 50 पाउंड यानी 22.7 किलो है। थॉम्पसन ने उसके लिए घर में अलग बिस्तर, खिलौने और टॉयलेट बॉक्स तक रखा हुआ है। डेजी को लेकर वह हर सप्ताह स्थानीय दुकानों पर भी जाती हैं। महिला के मुताबिक, पालतू जानवरों की दुकान में डेजी को लगभग सभी कर्मचारी पहचानते हैं। वह पट्टे पर बंधकर दुकान में घूमती है और वहां के कर्मचारियों के बीच काफी लोकप्रिय है। इतना ही नहीं, डेजी अमेरिका के मशहूर फास्ट फूड प्रतिष्ठान सोनिक भी जाती है। वहां के कर्मचारी उसे पहचानते हैं और उसके लिए खास तौर पर पालतू कुत्तों को दिए जाने वाले पप कप जैसा छोटा उपहार तैयार करते हैं।

**घर की अलमारियां खोलकर फैलाती है सामान:** थॉम्पसन के लिए डेजी को पालना हमेशा आसान नहीं रहा। करीब तीन महीने की उम्र में ही उसने अलमारियां खोलना और उनमें रखा सामान बाहर निकालना सीख लिया था। सुअरों की प्राकृतिक आदत जमीन को थूथन से खोदने और चीजों को उलट-पलट करने की होती है। ऐसे में डेजी से घर के सामान और कालीन को बचाने के लिए थॉम्पसन को घर को पालतू जानवरों के अनुकूल बनाना पड़ा।हालांकि, उनका कहना है कि डेजी की देखभाल उम्मीद से कहीं ज्यादा आसान है। वह केवल अपने टॉयलेट बॉक्स का इस्तेमाल करती है।

थॉम्पसन के अनुसार, सुअर वास्तव में साफ-सुथरे जानवर होते हैं, लेकिन ज्यादातर लोगों को इसकी जानकारी नहीं होती। थॉम्पसन के मुताबिक, सर्दियों के शुरुआती महीनों में डेजी की देखभाल पर करीब 50 डॉलर यानी लगभग 4,400 रुपए महीने का खर्च आता था। हालांकि, जब उसके लिए बाहर अलग बाड़ा तैयार हो जाएगा, तो यह खर्च घटकर करीब 20 डॉलर यानी 1,750 रुपए रह जाने की उम्मीद है।

### डेजी का मील रूटीन

डेजी को दिन में दो बार अनाज के दाने दिए जाते हैं। इसके अलावा उसे सलाद के पत्ते और चीरियोस नाम का नाश्ता काफी पसंद है। थॉम्पसन का कहना है कि सुअर खाने की बची हुई चीजों का भी इस्तेमाल कर लेते हैं। डेजी के आने के बाद उनके घर में खाने की बर्बादी भी कम हुई है। थॉम्पसन बताती हैं कि उनका परिवार उनके इस फैसले से बिल्कुल हैरान नहीं हुआ, क्योंकि उन्हें बचपन से ही जानवरों से खास लगाव रहा है। वह घायल और बेसहारा जानवरों को बचाने तथा उनकी देखभाल करने में मदद करती रही हैं। उन्होंने मशहूर फिल्म शार्लेट्स वेब का जिक्र करते हुए कहा कि वह बचपन से ही फिल्म की छोटी बच्ची की तरह थीं, जो जानवरों और पक्षियों को बचाने में लगी रहती थी। इससे पहले वह इंग्लिश मास्टिफ और ग्रेट डेन जैसी बड़ी नस्ल के कुत्ते भी पाल चुकी हैं। हालांकि, डेजी के साथ उनका अनुभव बिल्कुल अलग रहा। तलाक के बाद थॉम्पसन की जिंदगी में एक नया साथी भी आया है, जिसने उनके इस शौक को पूरी तरह अपनाया है। वह हर सप्ताहांत डेजी को अपनी बड़ी ग्रामीण संपत्ति पर ले जाने में मदद करता है, जहां उसे खुलकर घूमने और जमीन खोदने का मौका मिलता है। दोनों अब साथ रहने की तैयारी कर रहे हैं और डेजी के लिए एक बड़ा और सुंदर बाड़ा भी बनवा रहे हैं।इतना ही नहीं, इस जोड़े ने डेजी के लिए एक साथी भी ला दिया है। उसका नाम ड्यूड रखा गया है। अब दोनों की योजना एक छोटा पशुपालन फार्म बनाने की है, जिसमें मुर्गियां और संभवत: एक गधा भी शामिल होगा।थॉम्पसन कहती हैं, यह एक नए साथी के साथ खूबसूरत नया सफर है। यह मेरा सपना है और आखिरकार मैं इसे जी रही हूं।

## अमेरिका में खसरे का कहर जारी, बच्चे की मौत के बाद 12 तक पहुंचा मृतकों का आंकड़ा



**वाशिंगटन, एजेंसी।** वर्जीनिया में 2026 में खसरे से जुड़ी बच्चे की पहली मौत दर्ज की गई है। अत्यधिक संक्रामक बीमारी से संक्रमित एक छोटे बच्चे की मौत के बाद, इस साल अमेरिका में खसरे से मरने वालों की कुल संख्या 12 हो गई है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, वर्जीनिया स्वास्थ्य विभाग ने शुक्रवार को इस मौत की जानकारी दी। विभाग ने बताया कि बच्चे की उम्र 0 से 4 साल के बीच थी। हालांकि, परिवार की निजता (प्राइवेसी) की सुरक्षा का हवाला देते हुए अधिकारियों ने बच्चे की सटीक उम्र या अन्य कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में विभाग ने कहा, हाल ही में वर्जीनिया के कुछ इलाकों में खसरे के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे खुद को और अपने समुदाय को इस बीमारी से बचाने के लिए एहतियाती कदम उठाएं, ताकि और मौतों को रोका जा सके। यह मौत ऐसे समय में हुई है जब पूरे अमेरिका में खसरे के संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। एबीसी न्यूज के मुताबिक, इस साल न्यूयॉर्क, पेंसिल्वेनिया और विस्कॉन्सिन में भी खसरे से जुड़ी मौतें दर्ज की गई हैं।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही पैन अमेरिकन हेल्थ ऑर्गनाइजेशन ने घोषणा की थी कि अमेरिका ने अपना खसरा-मुक्त दर्जा खो दिया है। अमेरिका ने 25 साल से अधिक समय तक इस दर्जे को बनाए रखा था। अमेरिका ने पहली बार 2000 में खुद को खसरा-मुक्त घोषित किया था, जिसका अर्थ था कि वायरस अब देश की सीमाओं के भीतर लगातार नहीं फैल रहा था। हालांकि, जब वायरस का एक ही स्ट्रेन 12 महीने या उससे अधिक समय तक लगातार फैलता रहता है, तो यह दर्जा खत्म हो जाता है। अमेरिकी सेंटर्स फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के ताजा आंकड़ों के अनुसार, इस साल अमेरिका में खसरे के 5,838 मामलों की पुष्टि हुई है, जो लगभग हर राज्य से सामने आए हैं। संक्रमण के ज्यादातर मामले 19 साल या उससे कम उम्र के बच्चों और किशोरों में देखे गए हैं। वहीं, 5 साल से कम उम्र के जिन बच्चों को खसरा (मीज़ल्स) होता है, उनमें से लगभग हर 6 में से 1 बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ती है। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि सामने आए मामलों में से लगभग 96 प्रतिशत ऐसे लोग थे, जिन्हें टीका नहीं लगा था या जिनके टीकाकरण की स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं थी। ष्टष्ठष्ट खसरा, मम्प्स और रूबेला वैक्सीन की 2 खुराक लेने की सलाह देता है। पहली खुराक 12 से 15 महीने की उम्र के बीच और दूसरी खुराक 4 से 6 साल की उम्र के बीच दी जानी चाहिए। वैक्सीन की 1 खुराक खसरे के खिलाफ 93 प्रतिशत सुरक्षा देती है, जबकि 2 खुराक लेने पर 97 प्रतिशत सुरक्षा मिलती है।

## इटली में मजदूरों का देशव्यापी हल्लाबोल, 100 से अधिक शहरों में सड़कों पर उतरे श्रमिक और छात्र

**रोम , एजेंसी।** इटली के कई शहरों में शुक्रवार को मजदूर और छात्र सड़कों पर उतरे और उन्होंने अधिक पारिश्रमिक, जीवन-यापन की लागत में कमी एवं बेहतर सामाजिक सुरक्षा की मांग को लेकर मार्च किया। इटली के सबसे बड़े मजदूर संघ, ष्टत्रढ्ढरुद्वारा बुलाई गई 24 घंटे की हड़ताल के चलते, उत्तर में मिलान और ट्यूरिन से लेकर नेपल्स, पलेर्मो व रोम तक 100 से अधिक शहरों में प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने वेतन में ठहराव, जीवन-यापन पर लागत बढ़ने और सरकार की उन विफलताओं की आलोचना की, जिनके कारण सार्वजनिक सेवाओं को मजबूत करने और श्रमिकों को सुरक्षा प्रदान करने में वह (सरकार) नाकाम रही है। यह श्रमिक आंदोलन अंतरराष्ट्रीय छात्र एकजुटता दिवस पर हो रहा, जिसके तहत आयोजकों ने इटली के 45 से अधिक शहरों में प्रदर्शन करने की योजना बनाई है।

छात्र समूहों ने श्रमिकों के साथ मिलकर शिक्षा में अधिक निवेश, जीवन-यापन के खर्च के संकट को कम करने के उपायों, और असमानता घटाने वाली नीतियां बनाने की मांग की। रोम में एक रैली से पहले, सीजीआईएल के महासचिव मॉरीज़ियो लैंडिनी ने कहा, हमें सामाजिक और आर्थिक मॉडल में आमूल-चूल बदलावों की ज़रूरत है। इस हड़ताल में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्र शामिल हैं। कई शहरों में सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित होने की आशंका थी, जबकि स्कूल के बंद रहने और कुछ




स्वास्थ्य केंद्रों में कामकाज बाधित होने के आसार थे। कई शहरों में प्रदर्शनों के आयोजन को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किए हैं। शुक्रवार के लिए हवाई परिवहन कर्मचारियों की प्रस्तावित हड़तालें रद्द कर दी गई हैं, हालांकि मिलान और वेनिस हवाई अड्डों पर कर्मियों की अलग-अलग हड़तालें रविवार के लिए निर्धारित हैं।

ष्टत्रढ्ढरु की कार्रवाई के साथ-साथ, कोबास जैसी जमीनी स्तर की यूनियन ने भी अलग-अलग हड़तालें और मार्च आयोजित किए। ये विरोध प्रदर्शन एक राजनीतिक रूप भी ले चुके हैं। देश भर में विपक्षी नेता इन प्रदर्शनों में शामिल हो रहे हैं और मजदूरों की मांगों का समर्थन कर रहे हैं। साथ ही वे वेतन और सामाजिक खर्च के मुद्दों पर प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार की आलोचना भी कर रहे हैं। आयोजकों ने कहा कि मजदूरों और छात्रों के विरोध-प्रदर्शनों को जोड़ने वाली मुख्य बात ऐसी नीतियों की मांग है, जो नौकरियों, सार्वजनिक सेवाओं और जीवन स्तर को सरकार की प्राथमिकताओं के केंद्र में रखें। यह भी उम्मीद थी कि कई प्रदर्शनकारी ऐसे बैनर लेकर आएंगे, जिनमें शांति की अपील की गई हो और कल्याणकारी कार्यों, स्कूलों तथा स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ाने की मांग की गई हो।

## हैवान बना पिता; अपने 3 मासूम बच्चों व पत्नी को गोलियों से भूना, 5 साल का बेटा गिड़गिड़ाता रहा- पापा प्लीज मुझे मत मारो

**फ्लोरिडा , एजेंसी।** अमेरिका के फ्लोरिडा में गुरुवार को एक व्यक्ति ने अपने ही परिवार की हत्या कर दी। उसने पहले अपने तीन छोटे बच्चों को गोली मारी, फिर पत्नी की हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। हिल्सबरो काउंटी के शेरिफ चाड क्रोनिस्टर के मुताबिक, गुरुवार दोपहर पुलिस को प्लांट सिटी स्थित परिवार के घर से 911 आपातकालीन कॉल मिली थी। कॉल पर कोई बात नहीं कर रहा था, लेकिन फोन खुला हुआ था। इस दौरान आपातकालीन सेवा के कर्मचारी ने एक व्यक्ति की आवाज सुनी, जो कह रहा था- सॉरी बडी। इसके तुरंत बाद गोली चलने जैसी तेज आवाज सुनाई दी।

**डैडी, मुझे मत मारो... गिड़गिड़ाता रहा मासूम:** शेरिफ के अनुसार, कुछ देर बाद उसी कॉल पर एक छोटे बच्चे की आवाज सुनाई दी। वह अपनी जान बचाने के लिए बार-बार गिड़गिड़ा



रहा था। बच्चा कह रहा था- पापा, मुझे गोली मत मारो... पापा, प्लीज मुझे मत मारो। मारे गए तीनों बच्चों की उम्र महज 1, 3 और 5 साल थी। इस घटना में उनकी मां की भी हत्या कर दी गई। बच्चे की आखिरी गुहार सुनने वाले आपातकालीन सेवा के कर्मचारी भी इस घटना से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। शेरिफ ने बताया कि 911 कॉल मिलने के करीब 10 मिनट बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। घर के अंदर एक बच्चा बेसुध पड़ा दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने सामने का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो चुकी थी। पुलिस के मुताबिक, परिवार करीब एक साल से प्लांट सिटी स्थित इस घर में रह रहा था। इस दौरान पुलिस को उनके घर से कभी किसी शिकायत या सहायता के लिए फोन नहीं आया था। पति और पत्नी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड भी सामने नहीं आया है। शेरिफ चाड क्रोनिस्टर ने कहा कि यह समझना बेहद मुश्किल है कि कोई व्यक्ति अपने ही परिवार के साथ ऐसा कैसे कर सकता है। घटना ने पुलिसकर्मियों और 911 कॉल सुनने वाले कर्मचारी को भी गहरे मानसिक सदमे में डाल दिया है। उन्हें कुछ समय के लिए छुट्टी दी गई है और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी सहायता भी उपलब्ध कराई जा रही है।

## महिला टॉयलेट में लगाए गए गुलाबी यूरिनल; लिखा-खड़े होकर करें पेशाब

### कागज के विशेष फ़नल भी रखे

**बीजिंग, एजेंसी।** अब तक आपने पुरुषों के सार्वजनिक शौचालयों में मूत्रालय देखे होंगे, लेकिन चीन में महिलाओं के टॉयलेट में भी ऐसे ही मूत्रालय लगा दिए गए हैं! यह सुनने में भले ही अजीब लगे, लेकिन चीन के एक बार में महिलाओं के लिए खड़े होकर पेशाब करने की सुविधा शुरू की गई है। इस अनोखे प्रयोग की तस्वीरें और कहानी अब सोशल मीडिया पर वायरल हैं। मामला जियांग्सू प्रांत के वूशी शहर का है, जहां नानचांग पैदल मार्ग के पास एक बार के महिला शौचालय में तीन गुलाबी रंग के मूत्रालय लगाए गए हैं। चीन की 30 वर्षीय थी नाम की महिला जब इस बार में शौचालय इस्तेमाल करने पहुंची तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गई। दीवार पर पुरुषों के शौचालय जैसे तीन मूत्रालय लगे थे। इनके ऊपर गुलाबी अक्षरों में लिखा था- महिलाओं, कृपया खड़ी हो जाएं। हर मूत्रालय के पास एक बार इस्तेमाल होने वाले शंकु के आकार के कागज के फ़नल भी रखे गए थे।अचानक सामने आए इस दृश्य को देखकर महिला को लगा कि वह गलती से पुरुषों के शौचालय में आ गई है। वह बाहर निकली और दोबारा साइन बोर्ड देखने लगी। इसके बाद जब उसने सफाई कर्मचारी से पुष्टि की, तब पता चला कि यह वास्तव में महिलाओं का ही शौचालय है। महिला ने सोशल मीडिया पर अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि उसे इस तरह की सुविधा शुरू किए जाने से कोई परेशानी नहीं है, लेकिन वहां इसके इस्तेमाल को लेकर कोई निर्देश नहीं दिए गए थे। कागज के फ़नल को इस्तेमाल करने का तरीका समझ नहीं आने के कारण उसने पारंपरिक बैठकर इस्तेमाल किए जाने वाले शौचालय का विकल्प चुना।

**क्यों शुरू की गई महिलाओं के लिए यह सुविधा?:** बार की प्रबंधक डुओंग के मुताबिक, इन मूत्रालयों को उन महिलाओं की सुविधा के लिए लगाया गया है, जिन्हें बैठने या उकड़ू होने में परेशानी होती है। लंबी स्कर्ट पहनने वाली महिलाओं और सीमित शारीरिक गतिशीलता वाली महिलाओं के लिए यह विकल्प उपयोगी हो सकता है। गर्भवती महिलाओं और घुटनों की समस्या से जूझ रही महिलाओं को भी इससे सुविधा मिल सकती है। हालांकि, इसे पारंपरिक शौचालयों के विकल्प के रूप में नहीं, बल्कि एक अतिरिक्त सुविधा के तौर पर रखा गया है।



**वीबो पर 5.4 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया मामला:** नवंबर में सामने आई इस घटना ने चीनी सोशल मीडिया पर खूब ध्यान खींचा। सिक्स्थ टोन की रिपोर्ट के मुताबिक, 13 नवंबर तक इस टॉयलेट डिजाइन से जुड़ा विषय वीबो पर 54 मिलियन यानी 5.4 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका था।

लोगों के बीच इस बात पर बहस शुरू हो गई कि क्या महिलाओं के लिए खड़े होकर पेशाब करने की सुविधा वास्तव में उपयोगी है और क्या सार्वजनिक स्थानों पर इसे अपनाया जाना चाहिए।

## यूएनएससी में गतिरोध बरकरार: अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात

**अल्बानी, एजेंसी।** संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी।

शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था।

**वोटिंग में भी फंसा हुआ है पेच:** हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।



# थिएटर और ओटीटी, दोनों की अपनी खूबी

**दिव्या इन दिनों अपनी फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। इसी सिलसिले में बातचीत में दिव्या ने फिल्म की रिलीज, थिएटर और ओटीटी के अनुभव और अपने करियर से जुड़े कई पहलुओं पर बात की।**

ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक पहुंचना ही उद्देश्य
थिएटर में फिल्म रिलीज होने के बाद जब वही फिल्म ओटीटी पर आती है तो उसे नए दर्शक मिलते हैं। क्या दिव्या के लिए भी दोनों माध्यमों का अनुभव अलग है? वह कहती हैं, 'देखिए, असल बात यह है कि आप जितनी ज्यादा ऑडियंस तक पहुंच सकें, वही आपका मुख्य उद्देश्य होता है। आपने एक फिल्म बनाई है और चाहते हैं कि उसे ज्यादा से ज्यादा लोग देखें। पहले उसकी लिमिटेड थिएटर रिलीज हुई, लेकिन अब वह ओटीटी पर आ रही है। ऐसे में बहुत सारे लोग अपने समय और अपनी सुविधा के हिसाब से उसे देखेंगे। वे जिसके साथ देखना चाहते हैं, उसके साथ घर पर आराम से बैठकर फिल्म देखेंगे और अपनी प्रतिक्रिया देंगे। ज्यादा से ज्यादा लोगों को आपका काम देखना चाहिए, यह बहुत जरूरी है। बेशक बड़े पर्दे का अपना जादू है और ओटीटी का अपना। लेकिन मेरे लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता। जरूरी यह है कि आपका काम और आपकी कहानी लोगों तक पहुंचे।'

क्या दिव्या भी किसी फिल्म को थिएटर में देखने से चूक जाएं तो उसके ओटीटी पर आने का इंतजार करती हैं?। इस पर वह कहती हैं, 'ऐसा कोई नियम नहीं है। अगर कोई फिल्म मिस हो गई तो बेशक ओटीटी पर आने का इंतजार करते हैं। लेकिन लाइव सिनेमा को कम नहीं आंक सकते। उसका अपना महत्व है। हर कोई उसका इंतजार करता है। वह चाहे बड़ी फिल्म हो, सुपरहिट फिल्म हो या किसी भी तरह की फिल्म हो, जब वह ओटीटी पर आती है तो लोग उसे दोबारा देखते हैं या पहली बार देखते हैं। थिएटर और ओटीटी का यह मेल बहुत खूबसूरत है।'

## 'चिरैया' के बाद महिलाओं की प्रतिक्रियाएं खास

इस साल दिव्या दत्ता की फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' और 'गजब रात' के साथ वेब सीरीज 'चिरैया' को भी दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। खासकर 'चिरैया' देखने के बाद महिलाओं ने उनसे अपने अनुभव साझा किए। वह कहती हैं, 'यह साल टचवुड बहुत अच्छा रहा है। इन तीनों प्रोजेक्ट के लिए। थिएटर में फिल्में देखने के बाद कई लोग मुझे कहीं भी मिल जाते हैं और अपने अनुभव बताते हैं। 'चिरैया' देखने के बाद लड़कियां जिस तरह मुझसे बात करती हैं, यह बताती हैं कि फिल्म की कहानी ने उन्हें छुआ है और वे उससे खुद को जोड़ पाई हैं, वह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। इस साल मुझे बहुत अच्छी प्रतिक्रियाएं मिली हैं।'

क्या उन्हें कॉमेडी किरदार निभाने का मौका मिलता है? इस सवाल पर हंसते हुए वह कहती हैं, ''यार, कॉमेडी करना मुझे पसंद है, लेकिन मुझे कोई ऑफर ही नहीं करता।'

हालांकि, दिव्या ने कुछ फिल्मों में कॉमेडी की है। वह बताती हैं, 'मैंने 'चिरैया' में भी थोड़ा कॉमेडी किया है। 'शर्माजी की बेटी' में भी किया है। लेकिन फुल फ्लेज्ड कॉमेडी करने में बड़ा मजा आएगा। मुझे वह पसंद है। अभिनय का मजा ही यही है कि आप अलग-अलग तरह की कहानियां कह रहे हैं और अलग-अलग किरदार निभा रहे हैं। कई बार लगातार इंटेंस सीन करके आते हैं तो मन हल्का करने के लिए एक लाफ्टर बहुत अच्छा लगता है।'

## महिलाओं के लिए कॉमेडी के मौके कम हैं

क्या महिला कलाकारों को केंद्र में रखकर कॉमेडी फिल्में कम बनती हैं? इस पर दिव्या कहती हैं, 'मुझे नहीं लगता कि फिल्म निर्माता ऐसा कुछ सोचकर डरते हैं। लेकिन हमारे यहां फीमेल सेंट्रिक कॉमेडी ज्यादा लिखी नहीं जाती है। यह बात तो फैक्ट है। मैं चाहूंगी कि महिलाओं को केंद्र में रखकर भी ऐसी कॉमेडी फिल्में बनें, जिनमें वे खुलकर हंसें और दर्शकों को भी हंसाएं।'





# बेला के किरदार में फिर दिखेंगी अनन्या पांडे

मशहूर निर्देशक करण जौहर आगामी वेब सीरीज 'कॉल मी बे' के दूसरे सीजन की वापसी के लिए तैयार हैं। मंगलवार को मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सीरीज की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। मेकर्स ने अपने इंस्टाग्राम पर सीरीज की मुख्य अभिनेत्री अनन्या पांडे का वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह बेला (बे) के किरदार में नजर आ रही हैं। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, 'दिन को जी भरकर जियो, क्योंकि वह फिर से धमाका करने आ गई है। वेब सीरीज 'कॉल मी बे' का नया सीजन 17 दिसंबर से स्ट्रीम होगा।'

करण जौहर ने वेब सीरीज के दूसरे सीजन को वापस लाने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि नए सीजन में बे (अनन्या के किरदार का नाम) की जिंदगी के अलग-अलग पहलुओं को दिखाया जाएगा, लेकिन पहले सीजन वाला ह्यूमर, इमोशन और मस्ती वाला अंदाज बरकरार रहेगा। उन्होंने प्राइम वीडियो के साथ दोबारा जुड़ने पर खुशी जताई और कहा कि 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) और उसके दोस्तों को एक बार फिर हंसी, इमोशन और धमाल से भरे सफर पर ले जाने के लिए वह काफी उत्साहित हैं।

नए सीजन के बारे में बात करते हुए करण जौहर ने कहा, 'सीजन-1 को मिला प्यार और रिस्पॉन्स इस बात का सबूत है कि दर्शकों ने 'बे' (अनन्या के किरदार का नाम) के उतार-चढ़ाव




भरे सफर और उसकी बेबाक जिंदगी से गहरा जुड़ाव महसूस किया। सीजन 2 के साथ हम उस दुनिया को और आगे ले जाना चाहते थे, 'बे' के नए पहलुओं को दिखाना चाहते थे, लेकिन वो ह्यूमर, दिल और बिंदास अंदाज बरकरार रखना चाहते थे, जिसे सबने खूब पसंद किया था।'

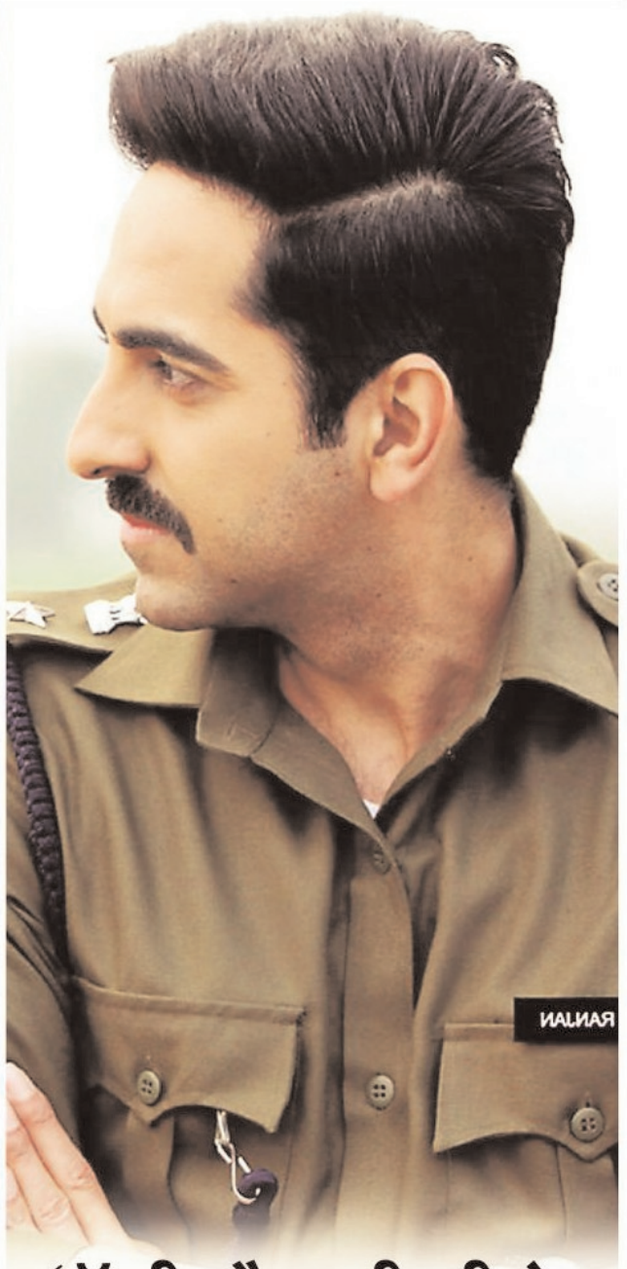

# 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' और 'यह प्रेम मोल लिया' की तुलना पर बोले आयुष्मान खुराना

हाल ही में फिल्म 'यह प्रेम मोल लिया' का ट्रेलर लॉन्च हुआ है। इसके बाद से ही फिल्म की तुलना 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' से हो रही थी। मगर इस पर फिल्म के अभिनेता आयुष्मान खुराना ने अपना पक्ष रखा है। उन्होंने बताया कि यह फिल्म करण जौहर की फिल्म से काफी अलग है। मुंबई ने हुए ट्रेलर लॉन्च इवेंट में आयुष्मान खुराना ने दोनों फिल्मों के बीच का फर्क बताया। उन्होंने कहा, 'यह सूरज बड़जात्या की फिल्म है, और प्रेम एक हरी झंडी है। इस फिल्म (ये प्रेम मोल लिया) में, वह अपनी पत्नी के परिवार के लिए खड़ा होता है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में रॉकी का किरदार अलग है। प्रेम उससे बहुत अलग है। आप दोनों की तुलना भी नहीं कर सकते।'

फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का बुधवार को ट्रेलर सामने आया। इसमें दिखाया गया कि प्रेम (आयुष्मान खुराना) अपनी परिवार सहित अपनी पत्नी 'पूर्वा' (शरवरी) के घर जाने का फैसला करता है। वहीं 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी कपल शादी से पहले 6 महीने एक दूसरे के घर जाकर रहते हैं। हाल ही में इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। इस पौने चार मिनट के ट्रेलर में दिखाया गया है कि आयुष्मान खुराना शरवरी वाघ से शादी करना चाहते हैं। मगर शादी में एक दिक्कत है। शरवरी अपना घर छोड़कर अपने ससुराल नहीं जाना चाहती हैं। उनके मुताबिक उनके घर में सिर्फ महिलाएं ही रहती हैं। सभी की जिम्मेदारी शरवरी पर है। फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' का निर्देशन सूरज बड़जात्या ने किया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना और शरवरी वाघ मुख्य भूमिकाओं में हैं। शरवरी पहली बार आयुष्मान के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। यह फिल्म 27 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म राजश्री प्रोडक्शन्स और महावीर जैन फिल्म्स के बैनर तले बनी है।




# यशराज बैनर की हॉरर फिल्म में नजर आएंगे वरुण धवन

अभिनेता वरुण धवन को ज्यादातर कॉमेडी और रोमांटिक फिल्मों में देखा गया है। मगर अब वह जल्द हॉरर फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म से यशराज बैनर जल्द हॉरर वर्ल्ड में एंट्री लेने वाला है। वहीं मेकर्स ने अब तक इस फिल्म के टाइटल से पर्दा नहीं उठाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस आगामी हॉरर फिल्म में वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। फिल्म साल 31 मार्च 2028 में रिलीज होगी। हालांकि अभी फिल्म की कहानी, पोस्टर, और बाकी की कास्ट की कोई जानकारी मेकर्स द्वारा आधिकारिक रूप से साझा नहीं की गई है। इस फिल्म का निर्देशन अभय पन्नू करेंगे। उन्होंने ही इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। अभय पन्नू इससे पहले मशहूर सीरीज 'रॉकेट बॉयज' का भी निर्देशन कर चुके हैं। 'रॉकेट बॉयज' के बाद यह अभय का दूसरा बड़ा प्रोजेक्ट होगा। वहीं दूसरी तरफ यशराज बैनर भी लगातार नए निर्देशकों के साथ बड़े बजट की फिल्मों का निर्माण कर रहा है।

पहली बार बैनर लेगा हॉरर एंट्री

फिल्म की सबसे खास बात यह है कि इसके जरिए यशराज पहली बार हॉरर जोनर में कदम रखेगा। इससे पहले बैनर ने स्पाई समेत लगभग हर जॉनर में फिल्म बनाई हैं। बताते चलें कि वरुण की यशराज के साथ यह दूसरी फिल्म है। इससे पहले वह बैनर के साथ 'सुई धागा' में काम कर चुके हैं।

# पिता शाहरुख से तुलना होने पर बोले आर्यन खान

फिल्ममेकर आर्यन खान को 'टाइम 100 नेक्ट इंडिया' के कवर पेज पर जगह मिली है। हाल ही में हुए एक इंटरव्यू के दौरान आर्यन से पिता शाहरुख खान के बारे में सवाल किये गए। उनसे पूछा गया कि पिता सुपरस्टार शाहरुख खान से तुलना पर वह क्या राय रखते हैं?

आर्यन खान ने पिता से उनकी तुलना होने पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, 'हर किसी की उनसे तुलना की गई है। अगर मैं भी उन लोगों में से एक हूं, तो इसमें कोई परेशानी नहीं है। नंबर-1 इंसान से तुलना होना मेरे लिए तारीफ की बात है। वह एक अलग ही शख्सियत हैं।'

अपनी बातचीत में आगे आर्यन खान ने सलमान खान से जुड़ा एक खास किस्सा सुनाया। सलमान खान ने आर्यन की सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में कैमियो किया था। इस पर आर्यन ने बताया कि सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि सलमान भी उसी लोकेशन पर मौजूद हैं। उन्होंने सलमान की टीम को मैसेज भेजकर पूछा कि क्या आर्यन उनसे मिलने आ सकते हैं, लेकिन सलमान ने खुद आर्यन के सेट पर आने की बात कह दी। इसके बाद उन्होंने अपने



सिनेमैटोग्राफर को तैयार रहने कह दिया। जब सलमान आए तब उन्हें वहीं डायलॉग देकर उनका कैमियो शूट कर लिया गया। आर्यन खान के अलावा एक्ट्रेस आलिया भट्ट, पायल कपाड़िया और थेजा रियो इस मैग्जीन के कवर का हिस्सा हैं। वहीं दिलजीत दोसांझ, अनिरुद्ध रविचंदर, सामंथा रुथ प्रभु, साई पल्लवी, विक्की कौशल और वैभव सूर्यवंशी जैसे नाम भी शामिल हैं।

# बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं कोमल पावस्कर

मुंबई बॉलीवुड में कदम रखने से पहले ही कोमल पावस्कर ने परफॉर्मिंग आर्ट्स की दुनिया में अपनी एक मजबूत नींव तैयार कर ली है। न्यूयॉर्क फिल्म अकादमी से एक्टिंग और फिल्ममेकिंग की औपचारिक शिक्षा हासिल करने से लेकर डांस के छह अलग-अलग फॉर्म्स में महारत हासिल करने और पारंपरिक परफॉर्मिंग आर्ट्स से आगे बढ़कर कई अन्य कौशल सीखने तक, कोमल का सफर उनके जुनून, बहुमुखी प्रतिभा और अपने काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है। गौरतलब है कि थिएटर से उनका जुड़ाव काफी कम उम्र में ही हो गया था। इस अनुभव ने उन्हें अपनी पढ़ाई के साथ-साथ लाइव परफॉर्मेंस की बारीकियों, अनुशासन और चुनौतियों को समझने का अवसर दिया। एक्टिंग के साथ-साथ कोमल ने छह अलग-अलग डांस फॉर्म्स में ट्रेनिंग ली है, जिनमें जैज फंक, कमर्शियल हिप-हॉप, बेली डांस, कथक, साल्सा और बॉलीवुड डांस शामिल हैं। डांस की इन विविध शैलियों में प्रशिक्षण ने उन्हें मूवमेंट, रिदम और एक्सप्रेशन की बेहतर समझ दी है, जिससे एक परफॉर्मर के तौर पर उनकी नींव और मजबूत हुई है।



कोमल को खास बनाने वाली बात सिर्फ एक्टिंग और डांस तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्होंने इसके अलावा भी कई दिलचस्प क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा को निखारा है। वह राइफल शूटिंग और घुड़सवारी में भी प्रशिक्षित हैं। शूटिंग में जरूरी सटीकता से लेकर घुड़सवारी के लिए आवश्यक शारीरिक अनुशासन तक, उनके ये हुनर अलग-अलग विधाओं को सीखने और खुद को लगातार चुनौती देने की उनकी इच्छा को दर्शाते हैं। जहां कई नए कलाकार अपनी डेब्यू फिल्मों के जरिए दर्शकों के सामने आते हैं, वहीं कोमल का सफर उस लंबे अभ्यास और तैयारी की झलक देता है, जो किसी बड़े मौके से पहले की जाती है। कोमल अब फिल्ममेकर विकास बहल की आगामी रोमांटिक थ्रिलर इकाई से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं, जिसमें वह राघव जुयाल के अपोजिट नजर आएंगी।

## संक्षिप्त समाचार

### दवा कारोबारी से लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 15 करोड़ रूपए की फिरौती

**रायपुर।** मेडिकल उपकरणों के सप्लायर और दवा कारोबारी शशांक चोपड़ा से कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर 15 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई है। रकम नहीं देने पर परिवार के एक सदस्य की हत्या करने की धमकी दी गई है। अज्ञात मोबाइल नंबर से आए फोन के बाद कारोबारी और उनका परिवार दहशत में है। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। शशांक चोपड़ा मोक्षित कॉर्पोरेशन के संचालक हैं। बताया गया है कि फोन करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा बताते हुए 15 करोड़ रुपये देने की मांग की। साथ ही रकम नहीं मिलने पर परिवार के सदस्य को जान से मारने की चेतावनी दी। धमकी मिलने के बाद कारोबारी ने दुर्ग कोतवाली पहुंचकर पुलिस को जानकारी दी और लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए दुर्ग पुलिस ने कारोबारी के परिवार की सुरक्षा बढ़ा दी है। बताया जा रहा है कि पिछले तीन दिनों से घर के बाहर पुलिस बल तैनात है। धमकी के बाद कारोबारी परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित है। एएसपी मणिशंकर चंद्रा ने बताया कि धमकी देने वाले अज्ञात कॉलर की पहचान के लिए जांच की जा रही है।

### सूरजपुर में छठ घाट के पास मिला युवक का शव, तीन दिन से था लापता

**रायपुर।** सूरजपुर शहर के रिंग रोड स्थित छठ घाट के पास शनिवार सुबह सड़क किनारे एक युवक का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान सतपाल सिंह चावला उर्फ राजू के रूप में हुई है। वह पिछले तीन दिनों से लापता था। जानकारी के अनुसार, मृतक मूल रूप से चिरमिरी का रहने वाला था और वर्तमान में सूरजपुर के अग्रसेन वार्ड भट्ठापारा में रह रहा था। वह पेशे से बाइक मिस्त्री था। बताया जा रहा है कि तीन दिनों से घर नहीं लौटने पर परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। इसी बीच छठ घाट के पास उसका शव मिलने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की है। फिलहाल युवक की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

### छत्तीसगढ़ में महंगी स्कॉच व्हिस्की हुई सस्ती, 33 विदेशी ब्रांडों की नई कीमतें जारी

**रायपुर।** भारत और ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का असर अब छत्तीसगढ़ में भी दिखाई देने लगा है। समझौते के तहत स्कॉच व्हिस्की पर आयात शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत किए जाने के बाद कई प्रीमियम विदेशी शराब ब्रांडों की कीमतों में कमी आई है। छत्तीसगढ़ शासन के वाणिज्यिक कर (आबकारी) विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के शेष महीनों के लिए 33 विदेशी शराब ब्रांडों की संशोधित दरों को मंजूरी दी है। नई सूची में जॉनी वॉकर, चिवास रीगल, रॉयल सैल्यूट, ग्लेनलिवेट, ड्यूअर्स, बॉलेंटाइन और सिंगलटन जैसे चर्चित ब्रांड शामिल हैं। नई दरों के मुताबिक, जॉनी वॉकर 18 ईयर के एक केस की कीमत में करीब 5 हजार रुपये की कमी आई है।

---

मीडिया समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम

# घरेलू हिंसा को किसी भी तरह नजर अंदाज नहीं किया जाना चाहिए...

- राज्यपाल मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषय पर आयोजित कार्यशाला मे शामिल हुए

रायपुर/ संवाददाता

राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मानव तस्करी और घरेलू हिंसा गंभीर सामाजिक समस्याएं हैं। इन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कानूनों का सख्ती से पालन, संबंधित प्रवर्तन एजेंसियों की सक्रियता और समाज की सामूहिक भागीदारी जरूरी है। घरेलू हिंसा को किसी भी स्थिति में सामान्य घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसे गंभीरता से लेते हुए ऐसे मामलों का निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निराकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि समुदाय के साथ-साथ स्वयंसेवी संगठनों को भी इस दिशा में जागरूकता बढ़ाने और पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम, रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग द्वारा आयोजित मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा विषयक प्रशिक्षण सह कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। वे कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि मानव तस्करी आज खतरनाक रूप ले चुकी है। अब इसका संबंध केवल लोगों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव अंगों की मांग के कारण भी इसकी घटनाएं सामने आ रही हैं। यह एक गंभीर मुद्दा बन चुका है। इसलिए इस समस्या से निपटने के लिए कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन और संबंधित एजेंसियों की जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। श्री डेका ने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की व्यवस्था थी, लेकिन अब एकल परिवारों की संख्या बढ़ रही है। घरेलू हिंसा पहले भी होती थी और आज भी हो रही है। अशिक्षा और बेरोजगारी जैसी परिस्थितियां भी इस समस्या को बढ़ा सकती हैं। घरेलू हिंसा का शिकार केवल




गृहिणियां ही नहीं, बल्कि बाहर जाकर काम करने वाली महिलाएं भी होती हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू हिंसा को किसी भी प्रकार की लत की तरह ही गंभीरता से समझने की जरूरत है, क्योंकि इसका दुष्प्रभाव व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर पड़ता है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए समाज को जागरूक करना होगा। परिवार के नैतिक मूल्यों और सामाजिक वातावरण की भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका होती है। जिन मामलों में पारिवारिक या मनोवैज्ञानिक समस्याएं सामने आती हैं, उनमें उचित काउंसलिंग की व्यवस्था की जानी चाहिए । राज्यपाल ने कहा कि घरेलू हिंसा से जुड़े मामलों में निष्पक्षता और स्वतंत्रता के साथ निर्णय लिया जाना चाहिए। कानून के दायरे में रहते हुए प्रत्येक प्रकरण के तथ्यों और परिस्थितियों को समझकर उचित कार्रवाई होनी चाहिए। इस दिशा में पुलिस, न्यायपालिका, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। उन्होंने मीडिया की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि मीडिया को समाज में जागरूकता और सकारात्मक बदलाव लाने का महत्वपूर्ण माध्यम बताया। राज्यपाल ने कार्यशाला में होने वाले विचार-विमर्श और उससे निकलने वाले निष्कर्षों को धरातल पर लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि केवल चर्चा करने से समस्याओं का समाधान नहीं होगा, बल्कि कार्यशाला में तय किए गए सुझावों और उपायों का प्रभावी क्रियान्वयन भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में महिला सुरक्षा, सम्मान और सशक्तीकरण के साथ मानव तस्करी एवं घरेलू हिंसा से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की जाएगी। उन्होंने घरेलू हिंसा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता भी बताई। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े विशेष रूप से उपस्थित थीं। कार्यशाला में राज्य महिला आयोग की सदस्य, पुलिस, न्यायपालिका तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

# रेलवे स्टेशन परिसर में दो वर्षीय बच्ची की मौत

- युवक के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज

रायपुर। राजधानी के रेलवे स्टेशन परिसर में दो वर्षीय बालिका की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया है। मामले में आरोपी आकाश देववार, निवासी कुन्हारी-दुर्ग, को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है। घटनासुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच रेलवे स्टेशन परिसर में रेटिंग के सामने हुई। बताया गया कि 25 वर्षीय महिला अपनी करीब दो वर्षीय बच्ची की तबीयत खराब होने पर उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी। अस्पताल में इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। बच्ची की मौत पर परिजनों ने संदेह जताते हुए पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी। 20 नवंबर को पोस्टमार्टम कराया गया। घटनासुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच रेलवे स्टेशन परिसर में रेटिंग के सामने हुई। बताया गया कि 25 वर्षीय महिला अपनी करीब दो वर्षीय बच्ची की तबीयत खराब होने पर उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंची थी।अगले दिन अस्पताल प्रबंधन से मिली शॉर्ट पीएम रिपोर्ट में बच्ची के पेट में चोट के कारण रक्तवाहिकाओं में आंतरिक रक्तस्राव होने से मौत की बात सामने आई। मर्ग पंचनामा और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने आरोपी आकाश देववार के खिलाफ बीएनएस की धारा 103(1) के तहत हत्या का अपराध दर्ज किया है। आरोपी पुलिस अभिरक्षा में है।

# अब घर बैठे मिला ऑनलाइन टोकन किसानों के लिए धान बेचना आसान

- प्रति एकड़ 21 क्विंटल से कम धान बेचने वाले पात्र किसानों को भी मिलेगी 13,839 रुपए प्रति एकड़ की पूरी आदान सहायता

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेशभर के धान खरीदी केंद्रों में किसानों की सुविधा के लिए पेयजल, तिरपाल और बारदाने सहित खरीदी से जुड़ी जरूरी व्यवस्थाएं की गई हैं। घर बैठे ऑनलाइन टोकन मिलने से किसान निर्धारित समय पर अपनी उपज लेकर केंद्र पहुंच रहे हैं। धान बेचने



आए किसानों ने केंद्र की व्यवस्थाओं और ऑनलाइन टोकन की सुविधा की सराहना की। बिलासपुर जिले ग्राम छतौना के किसान श्री दिनेश कुमार कौशिक 83 कट्टी धान लेकर छतौना उपार्जन केंद्र पहुंचे। उन्होंने बताया कि केंद्र में धान को ढकने के लिए तिरपाल, पर्याप्त बारदाने और किसानों के लिए पेयजल सहित अन्य जरूरी व्यवस्था की गई है। खरीदी व्यवस्थित ढंग से होने से किसानों को अपनी उपज बेचने में सहूलियत मिल रही है। श्री कौशिक ने कहा कि समर्थन मूल्य पर खरीदी से किसानों को अपनी मेहनत और उपज का उचित दाम मिल रहा है। उन्होंने खरीदी की व्यवस्थाओं और 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। इसी गांव के किसान श्री विकास कुमार वर्मा ने बताया कि उन्होंने घर बैठे ऑनलाइन टोकन लिया और निर्धारित समय पर उपार्जन केंद्र पहुंचकर 54 क्विंटल धान बेचा। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन टोकन मिलने से धान बेचने की प्रक्रिया आसान हुई है। केंद्र में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई और समिति प्रबंधक सहित कर्मचारियों का पूरा सहयोग मिला।

# पॉलीहाउस में गुलाब की खेती से बदल रही किसान की तकदीर,छत्तीसगढ़ से महानगरों तक महक रहे गुलाब



- राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना अंतर्गत संरक्षित खेती अपनाकर श्रीमती लता बुद्धन ने बनाई अपनी अलग पहचान
- पॉलीहाउस के निर्माण के लिए शासन की ओर से मिली 16 लाख 88 हजार रूपए की अनुदान राशि

रायपुर/ संवाददाता

गुलाबों की महक और मनोहारी छटा देखकर आप मुग्ध हो जाएंगे। यह बगिया है राजनांदगांव जिले के ग्राम भदेरा नवागांव की प्रगतिशील कृषक श्रीमती लता बुद्धन की। जिन्होंने डच रोज वेरायटी की गुलाबों की फसल ली है। श्रीमती लता बुद्धन ने शासन की राष्ट्रीय बागवानी मिशन योजना के अंतर्गत विभागीय अनुदान का लाभ लेकर 4,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में पॉलीहाउस का निर्माण कराया। पॉली हाउस के निर्माण के लिए उन्हें शासन की ओर से 16 लाख 88 हजार रूपए की राशि अनुदान के तौर पर मिली। जिससे उन्हें बहुत मदद मिली। आधुनिक संरक्षित खेती की शुरूआत उन्होंने जरबेरा फूल की खेती से की, उत्पादित जरबेरा फूलों को नागपुर एवं पुणे जैसे बड़े शहरों के बाजारों में विक्रय कर उन्होंने फूलों की व्यावसायिक खेती की संभावनाओं को समझा और अपनी पहचान स्थापित की। मार्केट में डिमांड, बेहतर मूल्य एवं व्यावसायिक संभावनाओं को देखते हुए उन्होंने वर्तमान में पॉलीहाउस में हाइब्रिड गुलाब की उन्नत किस्मों की खेती की है। पॉलीहाउस में नियंत्रित वातावरण एवं वैज्ञानिक पद्धति से गुलाब का गुणवत्तायुक्त उत्पादन किया जा रहा है। यहां उत्पादित गुलाब केवल स्थानीय बाजार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि नागपुर, पुणे जैसे बड़े महानगरों तक पहुंच रहे हैं। उनके बेटे श्री तुषार बुद्धन ने बताया कि उनके पॉलीहाउस में 30000 से अधिक गुलाब के पौधे हैं। छत्तीसगढ़ के प्रमुख शहरों रायपुर, भिलाई एवं दुर्ग में भी बाजार की मांग के अनुरूप गुलाब के फूलों का नियमित विक्रय किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पॉलीहाउस में खेती करने पर पानी एवं खाद का खर्च कम लगता है। गुलाब की खेती 4 वर्ष तक चलती है। सीजन के अनुसार अच्छी आमदनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि परंपरागत खेती करने वाले किसान एवं युवा किसानों को पॉलीहाउस में खेती जरूर करना चाहिए। श्रीमती लता बुद्धन द्वारा पॉलीहाउस में अपनाई गई।

# 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर के परिसर को पीपीपी मॉडल पर देने की तैयारी

- कांग्रेस ने बताया शिक्षा का निजीकरण

रायपुर। संवाददाता

छत्तीसगढ़ में रायपुर संभाग के 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर के सेक्टर-32 स्थित अत्याधुनिक स्कूल परिसर को पीपीपी (पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर निजी संस्थाओं को सौंपने के प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने आरोप लगाया कि सरकार निजीकरण के जरिए गरीब बच्चों से मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार छीनने की तैयारी कर रही



है। सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर संभाग के 207 सरकारी स्कूलों और नवा रायपुर में 20 एकड़ में बने स्कूल परिसर को 30 साल के लिए निजी हाथों में सौंपने का प्रस्ताव शिक्षा व्यवस्था को निजीकरण की ओर ले जाने वाला कदम है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी से बचने के लिए स्कूलों को उद्योगपतियों के हवाले कर रही है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि प्रस्तावित पीपीपी मॉडल के तहत स्कूलों में केवल 25 प्रतिशत सीटों पर आरटीई के तहत प्रवेश दिया जाएगा, जबकि शेष 75 प्रतिशत सीटों पर फीस लेकर प्रवेश होगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निजी स्कूलों की आरटीई सीटों की संख्या पहले 80 हजार से अधिक थी, जो घटकर 40 हजार और इस वर्ष 19,886 रह गई है। उन्होंने शिक्षकों की नियमित भर्ती नहीं होने का मुद्दा भी उठाया। शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरू की गई स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी एवं हिंदी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय योजना के तहत सरकारी खर्च पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस व्यवस्था को कमजोर कर शिक्षा को निजी संस्थाओं के मुनाफे का माध्यम बना रही है।

# 62 करोड़ की मच्छरदानी खरीदी का टेंडर निरस्त

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों के लिए 20 लाख मेडिकेटेड मच्छरदानियों की खरीदी को लेकर उठे सवालों के बीच छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन (सीजीएमएससी) ने करीब 62 करोड़ रुपये का टेंडर निरस्त कर दिया है। खरीदी प्रक्रिया में दरों के अंतर, टेंडर की शर्तों और रेट कॉन्ट्रैक्ट की अनदेखी को लेकर शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद इस फैसले को स्वास्थ्य विभाग की खरीदी प्रक्रिया के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मच्छरदानी खरीदी के लिए निर्धारित अनुमानित कीमत करीब 304 रुपये प्रति नग रखी गई थी, जबकि शिकायतकर्ताओं के अनुसार बाजार में इसी तरह की मच्छरदानी 225 से 250 रुपये में उपलब्ध थी। इस अंतर को लेकर सवाल उठाए गए थे। शिकायत में दावा किया गया था कि प्रति मच्छरदानी 50 रुपये का अंतर भी माना जाए तो 20 लाख नग की खरीदी में करीब 10 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च हो सकता था। इस खरीदी प्रक्रिया में रेट कॉन्ट्रैक्ट की व्यवस्था अपनाने के बजाय 20 लाख मच्छरदानियों का एकमुश्त टेंडर जारी किए जाने पर भी आपत्ति जताई गई थी। बताया गया कि स्वास्थ्य संचालनालय की ओर से रेट कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से खरीदी का सुझाव दिया गया था। इसके बावजूद दवा निगम ने एकमुश्त निविदा जारी की। टेंडर की पात्रता शर्तों को लेकर भी शिकायतकर्ताओं ने प्रतिस्पर्धा सीमित होने की आशंका जताई थी।

---

कोंडानार प्रीमियम राइस का किया शुभारंभ

# 730 किसानों की परंपरागत उपज को मिलेगी नई बाजार पहचान

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धनोरा में दी 132.69 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास
- दूरस्थ वनांचल में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के साथ किसानों की समृद्धि और महिला सशक्तीकरण की नई पहल

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज कोण्डागांव जिले के ग्राम धनोरा में विकास कार्यों की सौगात देने के साथ ही किसानों की समृद्धि, महिलाओं की आत्मनिर्भरता और ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने जिले में 132 करोड़ 69 लाख 43 हजार रुपये की लागत के 49 विकास कार्यों का लोकार्पण, भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 2 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण किया तथा सुदूर वनांचल के किसानों की उपज को नई बाजार पहचान दिलाने के लिए 'कोंडानार प्रीमियम राइस' ब्रांड का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कोनगुड़ परगना के प्रमुख आराध्य पेन खण्डा मुदिया के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना भी की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि विकास का लाभ प्रदेश के अंतिम छोर पर बसे गांवों और वहां रहने वाले प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। दूरस्थ वनांचलों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही किसानों की मेहनत को उचित मूल्य और ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए अवसर देना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों, परंपरागत कृषि पद्धतियों और ग्रामीण प्रतिभाओं को नए अवसरों से जोड़कर ही समृद्ध और आत्मनिर्भर छत्तीसगढ़ का निर्माण किया जा सकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने धनोरा में 2 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन का लोकार्पण



किया। इस स्वास्थ्य केंद्र से धनोरा सहित आसपास के 56 गांवों के लगभग 56 हजार ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। अब क्षेत्र के लोगों को सामान्य बीमारियों के उपचार, स्वास्थ्य जांच और अन्य आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए दूर-दराज के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। अब तक इस दूरस्थ क्षेत्र के ग्रामीणों को उपचार के लिए जिला मुख्यालय तक जाना पड़ता था, जिससे उन्हें समय और धन दोनों की परेशानी उठानी पड़ती थी। नए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवन से स्थानीय स्तर पर चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार होगा और हजारों परिवारों को बड़ी राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर 'कोंडानार प्रीमियम राइस' ब्रांड का शुभारंभ कर वनांचल के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की नई पहल की। इस ब्रांड के माध्यम से ग्राम बेचा, किलम, कड़ेनार और मंदोड़ा के लगभग 730 किसानों द्वारा परंपरागत तरीके से उत्पादित धान को संगठित बाजार से जोड़ा जाएगा। इन गांवों के किसान लंबे समय से बिना रासायनिक खाद के प्राकृतिक संसाधनों और पारंपरिक कृषि पद्धतियों के आधार पर धान की खेती करते आ रहे हैं। उनकी उपज की अपनी विशिष्टता है, लेकिन बाजार तक सीमित पहुंच के कारण किसानों को इसका अपेक्षित मूल्य नहीं मिल पाता था। अब जिला प्रशासन की पहल पर किसानों के धान का संग्रहण, प्रसंस्करण, ग्रेडिंग और आकर्षक पैकेजिंग कर उसे 'कोंडानार प्रीमियम राइस' के नाम से बाजार में उपलब्ध कराया जाएगा। इससे स्थानीय धान को अलग पहचान मिलने के साथ किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने के अवसर बढ़ेंगे। बिचौलियों पर निर्भरता कम होगी और मूल्य संवर्धन का लाभ भी किसानों तक पहुंच सकेगा। 'कोंडानार प्रीमियम राइस' की विशेषता यह भी है कि इसके माध्यम से किसानों के साथ ग्रामीण महिलाओं को भी आर्थिक प्रगति के नए अवसर मिलेंगे।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक,संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुरा, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी,दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com